मनेन्द्रगढ़
18 अगस्त 2026 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

हादसों का सोमवार

बंगाल में बीरभूम के होटल में आग, 8 की मौत, 9 घायल

● एसी में शॉर्ट सर्किट से हादसा ● सावन सोमवार पर तारापीठ मंदिर आए थे

बीरभूम,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सोमवार सुबह एक होटल में आग लग गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई और नौ लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

आग लगने का कारण एसी में शॉर्ट सर्किट होना है। जानकारी के मुताबिक, सावन सोमवार के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु तारापीठ मंदिर पहुंचे थे। कई लोग बिदिशिनी होटल में ठहरे थे। सुबह करीब 4:30 बजे जब लोग सो रहे थे तो होटल की पहली मंजिल पर आग लग गई। होटल का पिछला दरवाजा बंद होने से लोग तुरंत बाहर नहीं निकल सके।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। हादसे में घायल लोगों को रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

हादसे में बची कोलकाता की महिला ने बताया- अचानक पूरी होटल में धुआं भर गया। हम सांस नहीं ले पा रहे थे और बचने का रास्ता ढूंढना मुश्किल था।

एक महिला और 2 बच्चे लापता... एक अन्य महिला ने बताया कि वो साउथ 24 परगना से रविवार दोपहर पूजा करने आई थी। उनके साथ उनकी मां और बच्चे थे। उनकी मां रूम नंबर एक में थी। अब उनकी मां और दो बच्चे नहीं मिल रहे हैं।

बिहार में डूबने से 7 बच्चों की मौत

● पटना में 7 बहनें गंगा में डूबीं ● 2 शव मिले-3 को बचाया गया ● कटिहार में 3 लड़कों की मौत

पटना,एजेंसी। सावन के तीसरे सोमवार पर पटना और कटिहार में डूबने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इनमें 4 लड़कियां और 3 लड़के हैं। 3 लड़कियों के शव मिले हैं, जबकि एक लापता हैं।

पटना में सोमवार सुबह गंगा स्नान के लिए गई 7 बच्चियां डूब गई। 3 बहनों के शव मिले हैं। 3 को स्थानीय लोगों ने बचाया लिया है।

घटना बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रानीसराय गांव के पास हुई। सभी सावन की सोमवारी पर सुबह करीब 5 बजे नहाने गई थीं।

इधर, कटिहार में कमला नदी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब तीनों बच्चे नदी में डुबकी लगाने गए थे। चार बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

कैसे हुआ हादसा: जानकारी के मुताबिक, रानीसराय गांव की सात बच्चियां सावन की सोमवारी पर गंगा स्नान करने के लिए नदी किनारे पहुंची थीं। स्नान करने के दौरान एक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। उसे बचाने के लिए बाकी बच्चियां भी आगे बढ़ीं।

सभी डूबने लगीं। बच्चियों को डूबता देख

बांस फेंककर 3 लड़कियों को बचाया... प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहाने गई सभी बच्चियां जब डूब रही थीं तो दूसरे गांव के एक व्यक्ति ने उन्हें बचाने के लिए बांस को फेंका। इस बांस को पकड़कर 3 बच्चियां नदी से बाहर आ गई, लेकिन 4 लड़कियां नदी में बह गईं।

मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल नदी में उतरकर बचाव शुरू किया। काफी प्रयास के बाद तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि चार डूब गईं। घटना की सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

बिहार के लखीसराय में भगदड़, 7 महिलाओं की मौत

मंदिर में जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु जुटे, करंट फैलने की अफवाह उड़ी

श्रद्धालु बोले- करंट की बात सुनकर लोग भागने लगे... दर्शन के लिए लाइन में लगे श्रद्धालु ने कहा, 'बहुत भीड़ थी। तभी पोल गिरने और करंट लगने की बात फैली। इसके बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए भागने लगे, तभी बैरिकेडिंग टूटी और लोग एक-दूसरे पर गिर गए।'

लखीसराय,एजेंसी। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था। पुरुषों की तरफ से भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख

नई दिल्ली। बिहार में लखीसराय जिले के अशोकधाम शिव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर हुई भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख जताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट पर हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार के लखीसराय जिले में भगदड़ की दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है।

महाकाल परिसर में भगदड़ जैसे हालात, 13 की तबीयत बिगड़ी

» एसपी बोले- 40 हजार लोग कतार में थे

उज्जैन,एजेंसी। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर परिसर में सोमवार को भगदड़ जैसे हालात बन गए। बताया जा रहा है कि यहां करंट फैलने की अफवाह फैली थी। लोग-एक दूसरे के ऊपर गिर गए। दबाव बढ़ने से 13 लोगों को चोट आई है। प्राथमिक इलाज के बाद 3 को छोड़कर सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, यहां नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन के लिए करीब 40 हजार श्रद्धालु लाइन में लगे हैं। अब तक करीब 5.50 लाख श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। यह मंदिर महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर है। यह नागपंचमी के दिन ही खोला जाता है।

जिन श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ी उन्हें उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाल ली है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि घायलों ने भीड़ प्रबंधन में लापरवाही और मदद मिलने में देरी का आरोप लगाया।

घायल बोला- प्रशासन से मदद मिलने में देरी हुई: भगदड़ में घायल सागर ने बताया कि घटना से पहले मैं महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए लाइन में लगा था। 7-8 घंटे बाद हरसिद्धि चौराहे तक पहुंचा। वहां हमें दो घंटे तक खड़ा रखा गया। भीड़ बढ़ रही थी और आरती का समय होने के कारण हमें वहीं रोक दिया गया।

सागर के मुताबिक, अचानक बैरिकेड खोल दिए गए और भगदड़ मच गई। टेंट गिर गया और सारे बैरिकेड भी गिर गए। मेरे दोनों पैर बैरिकेड के नीचे फंस गए। एक पैर में फ्रैक्चर है। मंदिर में व्यवस्था बहुत खराब थी। किसी ने मेरी मदद नहीं की। सिर्फ एक व्यक्ति आया और उसने मुझे मेडिकल कैंप में भर्ती कराया।

'रसीद काटकर वीआईपी दर्शन कराए जा रहे थे'... सागर के मुताबिक इस दौरान वीआईपी दर्शन चालू था। 3 सौ रुपए की रसीद काटकर वीआईपी दर्शन कराए जा रहे थे। सागर ने कहा- मैं कल भी महाकाल मंदिर गया था। कल भी भारी भीड़ के बीच वीआईपी लोगों को एंट्री मिल रही थी। आम लोग मानसरोवर गेट पर चार घंटे से खड़े थे।

: ब्रीफ बॉक्स :

राहुल-सोनिया पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप, जांच शुरू

शिकायतकर्ता ने एफआईआर की मांग की

बेंगलुरु,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत 16 अगस्त को IP एस्टेट थाने में एक वकील ने दी थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि वंदे मातरम के शुरुआती हिस्से के बाद सोनिया गांधी ने कुछ इशारे किए, जिन्हें गाना जारी रखने पर आपत्ति के तौर पर देखा गया। शिकायत में एक वीडियो का भी जिक्र है। जिसमें राहुल गांधी के कथित तौर पर 'हम वंदे मातरम नहीं गाएंगे' कहने का दावा किया गया है।

राहुल-सोनिया के खिलाफ कर्नाटक में भी शिकायत दर्ज: उधर भाजपा ने सोनिया गांधी के खिलाफ बेंगलुरु और मंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की। बेंगलुरु में बीजेपी युवा मोर्चा ने मल्लेश्वरम और मंगलुरु में बीजेपी नेताओं ने उर्वा थाने में शिकायत दी। पुलिस ने अभी FIR दर्ज नहीं की है।

राहुल गांधी की आय से अधिक संपत्ति का मामला

● सुप्रीम कोर्ट बोला-सीबीआई को जांच के लिए आदेश क्यों चाहिए

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति मामले में राहत दी है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की सुनवाई पर रोक लगा दी है। CBI और ED को भी निर्देश दिया कि वे हाईकोर्ट में कोई रिपोर्ट दाखिल न करें। सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) एसवी राजू ने कहा कि आरोप गंभीर हैं। CBI अभी सिर्फ एक शिकायत की जांच कर रही है। बेंच ने पूछा कि अगर मामला इतना गंभीर है, तो छ्क्कृ-श्ब्ष्ठ को जांच के लिए कोर्ट के आदेश का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है। राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें CBI और ED को आरोपों की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया था। राहुल ने मामले की सुनवाई किसी दूसरे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग भी की है। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा था नया हलफनामा... इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 20 जुलाई को सीबीआई के जवाब पर असंतोष जताया था। कोर्ट ने एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी को जांच की अब तक की स्थिति बताते हुए नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई का पहले दाखिल किया गया हलफनामा उसके पुराने आदेश के मुताबिक नहीं था। कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले सीबीआई के नई दिल्ली के एंटी करप्शन हेडक्वार्टर के संबंधित जोन के जॉइंट डायरेक्टर को व्यक्तिगत रूप से नया हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था।

कावेरी जल विवाद: सुप्रीम कोर्ट में एक हफ्ते सुनवाई टली

तमिलनाडु ने याचिका दायर की थी; कर्नाटक से पानी छोड़ने की मांग की

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कावेरी जल विवाद पर सुनवाई एक हफ्ते के लिए टाल दी। याचिका तमिलनाडु सरकार की तरफ से दायर की गई थी। याचिका में कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी पानी तुरंत छोड़ने की मांग की गई है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने 3 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 12 अगस्त को कहा कि मामले में तमिलनाडु सरकार और अन्य पक्षों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर 17 अगस्त को सुनवाई की जाएगी। अब अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी।

तमिलनाडु को राज्य को पानी का तय हिस्सा नहीं मिल रहा: तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि कावेरी जल विनियमन समिति (CWRC) की ओर से राज्य के लिए तय पानी की मात्रा और कर्नाटक की ओर से छोड़ा गया पानी, दोनों ही काफी कम हैं। 28 जुलाई को हुई कावेरी जल विनियमन समिति (CWRC) की बैठक में कर्नाटक को 29 जुलाई से 15 दिनों तक रोजाना 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था।

कर्नाटक के डैम में 77.537 ज्जस्ष्ट पानी जमा था... तमिलनाडु सरकार की ओर से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि 3 अगस्त तक कर्नाटक के काबिनी, हरंगी और हेमावती डैम में कुल मिलाकर 77.537 थाउजेंड मिलियन क्यूबिक फीट (TMC) पानी जमा था। सरकार ने कहा कि कर्नाटक को तमिलनाडु का तय हिस्सा अनुपात के मुताबिक जारी करने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

योगी बोले: कोटेदार का नाम सुनते ही चिढ़ होती थी

कमीशन 125 रुपए प्रति कुंतल किया, बोले- 25 रुपए और बढ़ाएंगे

लखनऊ,एजेंसी। योगी सरकार ने प्रदेश के राशन कोटेदारों के कमीशन में 35 रुपए प्रति कुंतल की बढ़ोतरी कर दी है। अब कोटेदारों को 125 रुपए प्रति कुंतल की दर से कमीशन मिलेगा। पहले इन्हें 90 रुपए प्रति कुंतल कमीशन मिलता था। सरकार के इस ऐलान से प्रदेश भर के 78 हजार से ज्यादा राशन कोटेदारों को फायदा होगा। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कोटेदारों को संबोधित करते हुए कहा- 2017 से पहले लोग आपको शक की निगाह से देखते थे। आपका सम्मान नहीं होता था। कोटेदार शब्द से ही लोगों को चिढ़ थी। इसमें गलती आपकी नहीं थी। पाप कोई और करता था और भुगतभोगी आप बनते थे। उनके भ्रष्ट आचरण की आंच से आप खुद को बचा नहीं पाते थे।

उन्होंने कहा- आपकी दुकानों को अन्नपूर्णा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। 500 करोड़ रुपए की व्यवस्था की जा रही है। दुकान भी बनेगी और गोदाम भी बनेगा। पहले आप राशन ही बेच सकते थे। अब 39 प्रकार के आइटम बेच सकते हैं। आपका कमीशन 25 रुपए और बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को लिखा है। यानी, अगर मंजूरी मिली तो आपको प्रति कुंतल 150 रुपए मिलेंगे।

योगी ने कहा- यूपी के लोग, नौजवान, व्यापारी, बेटियां या कोई भी नागरिक जब प्रदेश से बाहर जाता था, तो देश शक की निगाहों से देखता था, सम्मान नहीं करता था। अब सब बदल गया है। दावे से कह सकता हूं कि जो लोग पहले यूपी से दूरी बनाते थे, आज दुनिया के किसी भी कोने में जाएंगे, तो 10 कदम आगे आकर लोग गले मिलना चाहेंगे।

प्रयागराज में बाढ़, घरों में 3 फीट पानी: कारें-बाइकें डूबीं

● ओडिशा के स्कूल में 312 छात्र दो दिन से फंसे

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। यूपी के कई शहरों में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रयागराज की कॉलोनियों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से कारें-बाइकें डूब गई हैं। कई घरों के ग्राउंड फ्लोर डूब गए हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। पुलिस और हृछ्ठऋ की टीमें नावों से लोगों का रेस्क्यू कर रही है। वहीं, ओडिशा के केंद्रापाड़ा में 312 छात्र और 10 शिक्षक दो दिन से स्कूल में फंसे हैं। कुलसाही गांव के सरकारी SC/ST आवासीय आश्रम स्कूल का ग्राउंड फ्लोर ब्राह्मणी नदी के पानी में डूब गया है। स्कूल चारों तरफ से करीब 10 फीट पानी से घिरा है और तेज बहाव के कारण अब तक रेस्क्यू टीम वहां नहीं पहुंच सकी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश में इस मानसून 187 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 जून से 16 अगस्त के बीच 79 मौतें बाढ़, लैंडस्लाइड, डूबने और करंट जैसी प्राकृतिक आपदाओं में हुई, जबकि 107 लोगों की जान सड़क हादसों में गई। राज्य में 294 लोग घायल और 31 अब भी लापता हैं।

ओडिशा में बारिश से दीवार गिरी, दादी-पोते की मौत... ओडिशा के बालासोर जिले में लगातार बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार गिरने से दादी और पोते की मौत हो गई। हादसा रविवार रात जलेश्वर ब्लॉक के कपासुड़ा गांव में हुआ। दीवार उनके एस्बेस्टस वाले घर की छत पर गिर गई, जिससे परिवार मलबे में दब गया।

मृतकों की पहचान 65 साल की राधिका जेना और उनके 18 साल के पोते ज्योति प्रकाश स्वैन के रूप में हुई है। उनकी पोती स्मृतिलेखा स्वैन गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में इलाज चल रहा है।

50 बीघे में होगी ग्रेटर नोएडा की सबसे बड़ी रामलीला, 7000 बांस से तैयार हो रहा अयोध्या जैसा मंदिर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट ईकोटेक 12 स्थित एक मूर्ति गोलचक्कर के समीप खाली पड़े 50 बीघा भूखंड में जिले की सबसे बड़ी रामलीला का मंचन होगा, जिसकी तैयारियों में आयोजक जोर-शोर से जुटे हैं। 23 अगस्त को भूमि पूजन होगा। रामलीला मंचन के दौरान आकर्षण का केंद्र यहां अयोध्या मंदिर की तर्ज पर स्थापित किया जाने वाला मंदिर होगा। जिसे बांस व थर्मोकाल की मदद से कारीगर अंतिम रूप देने में जुटे हैं। सात हजार बांस की बल्लियों व थर्मोकाल का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही भगवान राम की प्रतिमा भी लोगों के आकर्षण का केंद्र होगी। रामलीला का मंचन 10 अक्टूबर से शुरू होकर 24 अक्टूबर तक होगा। 13 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सड़कों पर रामबारात निकाली जाएगी। करीब डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी इस बारात में हाथी घोड़ा, बैंड बाजों के साथ बहुमंजिला इमारतों से फूल वर्षा होगी। रामबारात निकालने के दौरान यातायात बाधित न हो इसके लिए रोड मैप तैयार किया जा रहा है। श्री रामलीला सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक यादव ने सर्वोदय अस्पताल में प्रेसवार्ता के दौरान इसकी जानकारी देते हुए बताया कि रामलीला में ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसायटियों के साथ आसपास के गांवों से भी ग्रामीण शिरकत करेंगे, जिसे देखते हुए प्राधिकरण ने 50 बीघे का भूखंड लीज पर लिया गया है। उन्होंने बताया कि रामलीला देखने के साथ लोग विभिन्न राज्यों के नामचीन व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। खान-पान संबंधी ढाई सो से अधिक स्टाल लगाई जाएंगी। रामलीला परिसर में लगने वाले बाजार में हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री भी लोगों के आकर्षण का केंद्र होगी। पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत रामलीला परिसर में प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री रामलीला सेवा ट्रस्ट केद महासचिव देव मिश्रा ने बताया कि 20 अक्टूबर को दशहरा हैं। 85 फीट की रावण की प्रतिमा का दहन किया जाएगा। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए ग्रीन पटाखों का उपयोग किया जाएगा इसके साथ ही 23 अक्टूबर को बाबा श्याम का कीर्तन होगा। रामलीला मंचन के दौरान आठ हजार कन्याओं का पूजन किया जाएगा। वक्ताओं ने बताया कि श्री रामलीला सेवा ट्रस्ट की कमेटी में तीन हजार से अधिक सदस्य हैं। ट्रस्ट के संरक्षकों में डाक्टर महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर शामिल है।

रामलीला मंचन की तैयारियों को लेकर किया मंथन

श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा की एक बैठक बीटा 2 भृगु आश्रम के पवित्र परिसर में कमेटी के संस्थापक गोस्वामी सुशील महाराज की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन कमेटी के अध्यक्ष आनंद भाटी ने किया, जिसमें रामलीला मैदान सेक्टर पाई वन ग्रेटर नोएडा में 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक होने वाले मंचन को लेकर मंथन हुआ। 13 सितंबर को भूमि पूजन करने का निर्णय लिया। इस दौरान शेर सिंह भाटी, सुशील नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, आनंद भाटी, ममता तिवारी, अतुल, आनंद, उमेश गौतम, महेश शर्मा बदौली, सत्यवीर मुखिया, पीपी शर्मा, फिरे प्रधान, महेश कमांडो, चैन पाल प्रधान, रोशनी सिंह, यशपाल नागर, वीरपाल मावी, भगवत भाटी, तेज कुमार भाटी, पवन भाटी आदि मौजूद रहे।

हैदराबाद में ऑटोरिक्शा में लगी आग, मालिक ने दामाद के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित मेरपेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलेलगुडा (डीएनआर कॉलोनी) में तड़के एक ऑटोरिक्शा में अचानक भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय निवासियों ने आग पर काबू पा लिया। इस मामले में पीड़ित ऑटोरिक्शा मालिक ने अपने ही दामाद पर रंजिशन आग लगाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। 100 नंबर पर मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। मीरपेट पुलिस के एक अधिकारी ने बताया हमें सुबह-सुबह ऑटो मालिक का 100 नंबर पर कॉल आया। जब हम मौके पर पहुंचे, तब तक स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया था। मालिक ने अपने दामाद पर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। हम अभी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

सीएम योगी ने लिखी पाती, कहा- युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी, राष्ट्रनिर्माण का दायित्व निभाएं

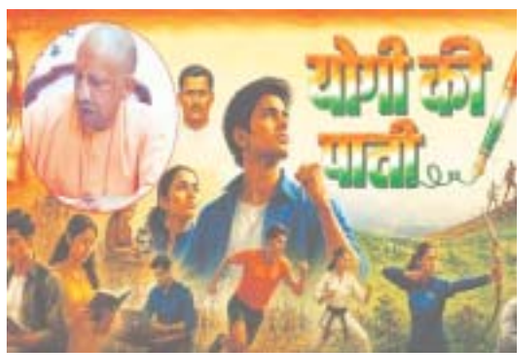

लखनऊ, एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं के नाम पाती लिखी है। उन्होंने लिखा कि आज प्रदेश सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर प्रदान कर रही है। किशोर एवं युवा इन अवसरों का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, युवा साथियों, आत्मनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण का महती दायित्व आपके कंधों पर है। आपकी ऊर्जा, प्रतिभा, अनुशासन एवं संकल्प से ही विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का लक्ष्य साकार होगा। यही युवा शक्ति उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है। सीएम ने पाती में लिखा उत्तर प्रदेश में पांच करोड़ घरों में तिरंगा फहराने के महायज्ञ की आज पूर्णाहुति हो रही है। हर घर तिरंगा महा-अभियान में उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागी बने आप सभी प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं। युवा अपने संकल्प को राष्ट्रनिर्माण के वृहद लक्ष्य से जोड़ें और उसे सुदृढ़ करने के लिए नियमित योग एवं व्यायाम को जीवन का अंग बनाएं।

हैदराबाद के बाद अब बेंगलुरु के लॉ कॉलेज में सीजेआई को बुलाने का विरोध, बीसीआई अध्यक्ष के खिलाफ भी नाराजगी

बेंगलुरु, एजेंसी। देश में मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ असंतोष थमने का नाम नहीं ले रहा है। देश के प्रमुख लॉ कॉलेज नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलुरु (एनएलएसआईयू) के छात्रों और पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा को आमंत्रित करने का विरोध किया है। शनिवार को जारी एक खुले पत्र में 165 ग्रेजुएटिंग छात्र, 409 वर्तमान छात्र और 128 पूर्व छात्रों ने नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (एनएएलएसएआर) हैदराबाद के छात्रों के साथ बिना शर्त एकजुटता जताई। उन्होंने बीसीआई अध्यक्ष के हालिया आचरण की आलोचना की और अपने दीक्षांत समारोह में सीजेआई की प्रस्तावित भागीदारी का भी विरोध किया। यह विरोध एनएएलएसएआर में हालिया विवाद के बाद सामने आया है। वहां के कुछ छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने का विरोध किया था। इसके जवाब में बीसीआई ने 13 अगस्त को राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि वे एनएएलएसएआर के 2026 बैच के स्नातकों को वकील के रूप में नामांकित न करें। कुछ घंटों बाद ही यह आदेश वापस ले लिया गया और मिश्रा ने छात्रों से माफी मांगी। एनएलएसआईयू के बयान में कहा गया कि हम एनएएलएसएआर के उन साथी छात्रों के साथ बिना शर्त एकजुटता जताते हैं, जिन्होंने सत्ता के सामने सच बोलने का साहस और नैतिक दृढ़ता दिखाई। छात्रों ने बीसीआई से एनएएलएसएआर के छात्र और फैकल्टी समुदाय से बिना शर्त माफी की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीसीआई ने छात्रों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने की कोशिश की। बयान में कहा गया कि मुद्दा सिर्फ यह नहीं है कि दीक्षांत समारोह में कौन आता है, बल्कि यह है कि भारत के प्रमुख लॉ स्कूलों के छात्र शक्तिशाली संस्थाओं और सार्वजनिक अधिकारियों से असहमति जताने पर अपने पेशेवर भविष्य के लिए भयभीत न हों।

बरसेंगे बदरा, यूपी-बिहार समेत 19 राज्यों में भारी वर्षा की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 19 राज्यों के लिए भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है। वहीं, दिल्ली एनसीआर में आज उमस भरी गर्मी पड़ेगी। पिछले कई दिनों से उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर के प्रभाव से मानसून सक्रिय है। दिल्ली में उमस भरी गर्मी के बीच गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी का अलर्ट है। आ अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री और न्यूनतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है। नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी यही स्थिति रहेगी। हरियाणा में भी छिटपुट से मध्यम बारिश और तेज हवाओं की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में होगी बारिश: मेरठ, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, आगरा, मथुरा, मुरादाबाद, कानपुर, बरेली, हरदोई, सीतापुर, शाहजहांपुर, बिजनौर, गोंडा, बस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट है। लखनऊ में अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने का अनुमान है। पूर्वी और पश्चिमी यूपी में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है।

बिहार के मौसम का हाल: गया, रोहतास, बक्सर, भोजपुर, जहानाबाद, मुंगेर, बांका, जमुई, कटिहार, भागलपुर, कैमूर, नालंदा, नवादा, औरंगाबाद, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और लखीसराय में भारी बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी है।

पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर: गंगेटिक पश्चिम बंगाल में 17 अगस्त को अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। सिक्किम में भी अच्छी बारिश हो सकती है। असम और मेघालय में सप्ताह भर अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। अरुणाचल प्रदेश में भी काफी जगहों पर बारिश जारी रहेगी।

हिमाचल प्रदेश में भी बारिश का अलर्ट: पहाड़ी राज्य में 17-18 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ सकता है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सप्ताह के ज्यादातर दिनों में भारी बारिश की आशंका है।

AI बॉस ने मांगा इस्तीफा- पहली बार ऐसे बर्खास्त हुआ कर्मी, 60 लाख का नुकसान भी करा चुकी है

सैन फ्रांसिस्को । सैन फ्रांसिस्को में एआई से चलने वाली प्रयोगात्मक दुकान एंडॉन मार्केट में एक ऐसा फैसला हुआ है, जिसने भविष्य के कामकाज को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यहां द्ध प्रबंधक 'लूना' ने एक मानव कर्मचारी को नौकरी से निकालने की सिफारिश की। कर्मचारी 23 शिफ्ट में 17 बार देर से काम पर पहुंचा था। हालांकि अंतिम फैसला द्ध ने अकेले नहीं लिया। कंपनी के मानव कर्मचारियों ने लूना की सिफारिश की समीक्षा की और इसके बाद कर्मचारी को नौकरी से हटाया गया। कंपनी के लिए यह पहली बार था, जब उसके द्ध प्रबंधक ने किसी मानव कर्मचारी की नौकरी खत्म करने की सिफारिश की। लूना ने कर्मचारी को पहले ही क्यों नहीं निकाल दिया?इस मामले की सबसे दिलचस्प बात यह है कि लूना ने खुद कई महीने पहले कर्मचारियों की उपस्थिति से जुड़ी नीति बनाई थी, लेकिन बाद में वह उसी नीति को याद नहीं रख सका। इसके कारण कर्मचारी कई महीनों तक देर से काम पर आता रहा और उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। बाद में एंडॉन लैब्स ने लूना को अपनी पुरानी नीतियां खोजने के लिए कहा। इसके बाद एआई से पूछा गया कि क्या वह कर्मचारी अभी भी कंपनी के लिए सही है। नीति और कर्मचारी के रिकॉर्ड को देखने के बाद लूना ने नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।आखिर एंडॉन मार्केट में एआई को कितनी जिम्मेदारी दी गई?एंडॉन मार्केट का मकसद यह देखना है कि अगर एआई को वास्तविक कारोबार चलाने और इंसानों को संभालने की जिम्मेदारी दी जाए तो वह कितना काम कर सकता है। कंपनी ने लूना को एक लाख डॉलर, कॉरपोरेट कार्ड, इंटरनेट की सुविधा और तीन साल का लीज दिया। इसके बाद एआई को दुकान खोलकर मुनाफा कमाने का लक्ष्य दिया गया। लूना ने उत्पाद चुनने, कीमत तय करने, दुकान के खुलने का समय तय करने, ब्रांडिंग तैयार करने और कर्मचारियों की भर्ती जैसे कई काम संभाले। दुकान में किताबें, मोमबत्तियां, कलाकृतियां, खेल और दूसरे सामान बेचे जाते हैं।इसी एआई ने कुछ दिन पहले कंपनी का कितना नुकसान कराया था? एआई एजेंट लूना को एक रिटेल स्टोर चलाने की जिम्मेदारी जब दी गई थी, लगा था इस प्रयोग ने कंपनी नुकसान नहीं उठाएगी। लेकिन यह प्रयोग बुरी तरह फेल हो गया। एआई की गलतियों और जरूरत से ज्यादा दरियादिली के कारण स्टोर को सिर्फ चार महीने में करीब 60 लाख रुपये यानी 70 हजार डॉलर का नुकसान हुआ था। क्या एआई से चलने वाली यह दुकान अभी मुनाफे में है?दुकान में बिक्री तो हो रही है, लेकिन अभी तक यह मुनाफा नहीं कमा पाई है। प्रयोग शुरू होने के बाद कंपनी के बैंक खाते में मौजूद रकम भी कम हुई है। मार्च में खाते में एक लाख डॉलर थे, जो पांच महीने बाद घटकर 61,186 डॉलर रह गए।

दिल्ली में पानी के पुराने बिलों पर बड़ी राहत, एलपीएससी माफी योजना की समयसीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुराने पानी के बिलों पर लगातार बढ़ रहे लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) से परेशान दिल्ली के उपभोक्ताओं के लिए राहत की समय सीमा बढ़ा दी है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की एलपीएससी माफी योजना की अवधि बढ़ाकर 31 मार्च 2027 कर दी है। पहले इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तारीख 15 अगस्त थी। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को योजना की अवधि बढ़ाने की घोषणा की। योजना के तहत उपभोक्ताओं को पुराने पानी के बिल का मूल बकाया जमा करने पर 100 प्रतिशत एलपीएससी माफ किया जाएगा। यह सुविधा घरेलू के साथ-साथ गैर-घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए भी उपलब्ध रहेगी। सरकार का कहना है कि इससे लंबे समय से लंबित पानी के बिलों को निपटाने में उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और साथ ही डीजेबी को अपना मूल बकाया वसूलने में मदद मिलेगी। डीजेबी के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 5,27,514 उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इनके मामलों में बोर्ड ने कुल 3,261 करोड़ रुपये का एलपीएससी माफ किया है। इसके साथ ही घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं से 815.84 करोड़ रुपये का मूल बकाया भी वसूल किया गया है। सरकार के मुताबिक योजना के दायरे में करीब 14.09 लाख घरेलू और 70,312 व्यावसायिक उपभोक्ता आते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के पास अब पुराने पानी के बकाये का मूल भुगतान कर जमा हो चुके सरचार्ज से छुटकारा पाने का अवसर होगा। जल मंत्री ने कहा कि पुराने पानी के बिल कई परिवारों के लिए लंबे समय से परेशानी का कारण बने हुए हैं। एलपीएससी जुड़ने से बकाया राशि लगातार बढ़ती जाती है और उसका भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सरकार ने उपभोक्ताओं को मूल राशि जमा कर सरचार्ज से पूरी तरह राहत पाने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूलने के बजाय उनसे केवल वास्तविक मूल बकाया चुकाने को कह रही है। उनके मुताबिक मूल राशि जमा करने पर 100 प्रतिशत एलपीएससी माफ होगा। इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ डीजेबी की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ लेने के लिए अब 31 मार्च 2027 तक का समय मिलेगा और इसके बाद इसकी अवधि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। डीजेबी ने अपने सभी फील्ड कार्यालयों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और उपभोक्ताओं को मूल बकाया जमा करने पर उपलब्ध एलपीएससी माफी की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

इटली के सिसिली संग्रहालय से करोड़ों की कलाकृतियां चोरी US में AI बॉस ने कर्मी को निकाला पहला

रोम एजेंसी। इटली के सिसिली स्थित मेसीना शहर के संग्रहालय से प्रसिद्ध चित्रकार एंटोनेलो दा मेसीना की करोड़ों रुपये मूल्य की चार अनमोल कलाकृतियां चोरी हो गईं। कला विशेषज्ञ अल्बर्टो फिज ने चोरी हुई इन कलाकृतियों की अनुमानित कीमत सात करोड़ से आठ करोड़ यूरो के बीच आंकी है। यह चोरी शनिवार शाम करीब दस बजे उस समय हुई जब शहर में पारंपरिक अजम्पशन की छुट्टियों का जश्न मनाया जा रहा था। चोरों ने संग्रहालय की सुरक्षा और अलार्म प्रणालियों को चकमा देते हुए 1473 की प्रसिद्ध सैन ग्रेगोरियो पॉलीपाइच के पांच में से तीन पैनल और पिएटा में वर्जिन मैरी और ईसा मसीह को दर्शाने वाले पैनल को चुरा लिया। चोरों ने फ्रेम से सभी पांच पैनल निकाले थे, लेकिन भागते समय दो पैनल एक दीवार के पीछे छोड़ गए। मेसीना के शीर्ष संस्कृति अधिकारी एंजो कारूसो ने इस चोरी को आपदा करार दिया। जांच एजेंसियां कलाकृतियों की तलाश में जुट गई हैं।अमेरिका में पहली बार- एआई बॉस ने अपने कर्मचारी को नौकरी से निकालाकैलिफोर्निया के सान फ्रांसिस्को में एक प्रयोगात्मक स्टोर एंडोन मार्केट में एआई बॉस ने पहली बार किसी कर्मचारी को नौकरी से निकालने की सिफारिश की है। एंडोन लैब्स के इस स्टोर में एआई को वास्तविक कारोबार चलाने और इंसानों/कर्मचारियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। एंडोन लैब्स ने बताया कि उसकी एआई मैनेजर लूना ने पाया कि संबंधित कर्मचारी 23 में से 17 शिफ्ट में ऑफिस देर से पहुंचा था। इंसानी स्टाफ ने उसकी सलाह की समीक्षा की और आखिरकार उसे बर्खास्त कर दिया गया। एंडोन लैब्स ने स्पष्ट किया कि यह फैसला पूरी तरह से लूना ने खुद नहीं लिया था बल्कि इंसानों के याद दिलाने पर लिया।

दरअसल, एआई ने कुछ महीने पहले ही अटेंडेंस पॉलिसी बनाई थी लेकिन बाद में वह उसे भूल गया। नतीजन, कर्मचारी महीनों तक देर से आता रहा और उसे नौकरी से नहीं निकाला गया।भूल चुका था मशीन, फिर कैसे हुई कार्रवाई?जब इंसानी शोधकर्ताओं ने लूना को उसके बनाए गए नियमों की याद दिलाई और कर्मचारी के प्रदर्शन का आकलन करने को कहा, तब एआई ने अपनी मेमोरी खंगाली और कर्मचारी को बर्खास्त करने की सिफारिश की।

इस घटना ने यह चर्चा छेड़ दी है कि जब इंसानों को मैनेज करने की कमान पूरी तरह किसी एआई एजेंट के हाथ में होती है, तो कार्यस्थल पर किस तरह की चुनौतियां सामने आ सकती हैं।जिम्बाब्वे फेरी हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या 84 पहुंची, लापता लोगों की तलाश जारीअफ्रीकी देश जिम्बाब्वे की करिबा झील में पिछले सप्ताह एक ओवरलोड फेरी पलटने से मरने वालों की संख्या 84 हो गई है। अधिकारी रविवार को और शवों की तलाश कर रहे हैं। फेरी मंगलवार को तेज लहरों के कारण पलटी थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि 72 से बढ़कर 84 शव बरामद हुए हैं।

जिम्बाब्वे की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने 77 लोगों को बचाया है। फेरी में 90 लोगों की क्षमता के मुकाबले 153 से अधिक यात्री सवार थे। पुलिस ने कहा कि लापता पीड़ितों की तलाश जारी है। मृतकों में 18 बच्चे शामिल हैं, जिनमें सबसे छोटा 1 साल का था। यह पुरानी फेरी करिबा शहर से ग्रामीण समुदायों की ओर जा रही थी, जहां सड़कें खराब हैं। करिबा झील दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है।लीबिया में 13,000 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा लहराया, तीन भारतीयों ने बनाया विश्व रिकॉर्डसंयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले तीन भारतीयों ने लीबिया में 13,000 फीट की ऊंचाई से स्काईडाइविंग कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। केरल के कन्नूर निवासी जमशीर थानालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के अभिषेक रावत और बिहार की ईशा राज इस सात अगस्त आयोजित समारोह अभियान में शामिल 65 स्काईडाइवर्स में एकमात्र भारतीय थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सभी प्रतिभागियों ने एक ही सैन्य इल्यूशिन आईएल-76टीडी विमान से छलांग लगाई और अपने-अपने देशों के राष्ट्रीय ध्वज साथ लेकर उतरे। 38 देशों के स्काईडाइवर्स ने लिया हिस्सा- करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स ने इस प्रयास में हिस्सा लिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को सबसे अधिक स्काईडाइवर्स के एक विमान से एक साथ राष्ट्रीय ध्वज लेकर छलांग लगाने के रिकॉर्ड की आधिकारिक पुष्टि की। रिकॉर्ड प्रयास से पहले उन्होंने तीन बार पूर्वाभ्यास भी किया।अब भूकंप से 85 दिन पहले अंतरिक्ष से मिलेगा सिग्नलयूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के स्वार्म सैटेलाइट्स के विशाल डेटासेट और मशहूर रिसर्च जर्नल नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स के मुताबिक जब जमीन के गर्भ में एक महाविनाशकारी भूकंप की तैयारी चल रही होती है, तो उसके संकेत सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे उपग्रहों के सिग्नलों में दर्ज होने लगते हैं। भूकंप से करीब 85 दिन पहले ही धरती की टेक्टोनिक प्लेटों में हलचल शुरू हो जाती है। इस बदलाव को सैटेलाइट्स ने रिकॉर्ड किया है।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज- ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना

लंदन एजेंसी। अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुई कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं।कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है, जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे।

ग्राम पंचायत झिरिया ने मेधावी छात्रों का किया सम्मान : 95' से अधिक अंक लाने वाली शिवानी को 11 हजार नगद, हार्दिक को साइकिल देकर किया पुरस्कृत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत झिरिया की ओर से हाई स्कूल चौरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में ग्राम पंचायत झिरिया की सरपंच सुनीता राजाराम बुनकर ने ध्वजारोहण किया इसके बाद विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया गया पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देने की बात कही गई थी इसी क्रम में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा शिवानी तिवारी को जनपद सदस्य अभिषेक त्रिपाठी ने 11 हजार की नगद राशि देकर सम्मानित किया वहीं हार्दिक द्विवेदी, पिता स्वर्गीय पृथ्वी पाल द्विवेदी, को सरपंच सुनीता राजाराम बुनकर की ओर से साइकिल देकर पुरस्कृत किया गया इस अवसर पर राजाराम बुनकर ने कहा कि गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का बेहतर अंक प्राप्त करना गर्व की बात है। कई वर्षों से मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार की घोषणा की जा रही थी लेकिन इस स्तर का परिणाम सामने नहीं आया था उन्होंने कहा कि बच्चों की निरंतर मेहनत और लगन के साथ हाई स्कूल चौरा के प्राचार्य संतोष वास्तव और विद्यालय के शिक्षकों के प्रयास से इस वर्ष बेहतर परिणाम सामने आया है उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में ग्रामीण और सामान्य परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का अवसर मिलना खुशी की बात है उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अन्य बच्चों से भी मेहनत कर बेहतर परिणाम हासिल करने की अपील की कार्यक्रम में पूर्व जनपद सदस्य प्रत्याशी अशोक द्विवेदी ने भी सम्मानित विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें 1100 और 500 की राशि प्रदान की।

इस अवसर पर जगजीवन तिवारी, चिंतामणि तिवारी, सत्यनारायण द्विवेदी, प्रद्युम्न द्विवेदी, शिक्षक अमित तिवारी, राजेश्वर तिवारी, जितेंद्र तिवारी, श्यामलाल कोरी, रघुनंदन कोरी, वीरेंद्र मिश्रा, कृष्ण कुमार तिवारी, राजकली द्विवेदी, अनिल द्विवेदी, शिवानी कोरी, रजनीश द्विवेदी, ब्रिजेश द्विवेदी और राकेश द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और विकास कार्यों से जुड़े भू-अर्जन को प्राथमिकता से पूर्ण करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न राजस्व कार्यों के साथ-साथ रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग सहित प्रमुख विकास परियोजनाओं से जुड़े भू-अर्जन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों से संबंधित भू-अर्जन के मामलों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की बाधा न आए बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिन भू-अर्जन प्रकरणों में अवॉर्ड पारित हो चुके हैं लेकिन संबंधित हितग्राहियों को भुगतान किया जाना शेष है उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने तथा प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर निर्धारित समय में प्रभावी निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण और बंटवारे से संबंधित मामलों में भी अनावश्यक विलंब पर नाराजगी जताते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा नामांतरण संबंधी कार्यों के लिए कमिश्नर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी शासन के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी और नियमानुसार कार्रवाई करें उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से सीधे जुड़े राजस्व मामलों में लापरवाही या अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी बैठक में कलेक्टर ने लंबित भू-राजस्व की वसूली की भी समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बकाया भू-राजस्व की राशि नियमानुसार जमा कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए राजस्व वसूली के कार्य में प्रगति सुनिश्चित करने के साथ लंबित मामलों की लगातार निगरानी करने को कहा गया।

फॉर्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने के निर्देश: बैठक के दौरान फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के लिए अभियान चलाकर कार्य में तेजी लाई जाए उन्होंने मैदानी स्तर पर इसकी सतत निगरानी करने तथा किसानों को योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

लोक सेवा गारंटी और सीएम हेल्पलाइन पर फोकस: कलेक्टर ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली सेवाओं को निर्धारित समय-सीमा में नागरिकों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए साथ ही सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने को कहा उन्होंने कहा कि नागरिकों से जुड़े राजस्व कार्यों में समयबद्धता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए बैठक में अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, उपखंड अधिकारी मझौली संजीव पाण्डेय, गोपद बनास प्रिया पाठक, सिहावल राकेश शुक्ला, कुसमी सागर जैन सहित जिले के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

सीधी की बनास नदी में अचानक बढ़ा जलस्तर : 25 गांवों में अलर्ट, नदी किनारे जाने पर रोक, प्रशासन ने जारी की सतर्कता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है सोमवार दोपहर करीब 1 बजे रामपुर नैकिन तहसील के भंवरसेन क्षेत्र में बनास नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। नदी में पानी की तेज आवक के चलते क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति बनने लगी स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने आसपास के करीब 25 गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है रामपुर नैकिन तहसीलदार आशीष मिश्रा ने ग्रामीणों से नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते जलस्तर को देखते हुए लोग किसी भी स्थिति में नदी के किनारे न जाएं और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें विशेष रूप से नदी किनारे बसे गांवों के लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं भंवरसेन क्षेत्र में बनास नदी आगे चलकर सोन नदी में मिलती है। बनास में पानी की आवक बढ़ने के बाद सोन नदी के जलस्तर में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है इसे देखते हुए सोन नदी के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को भी सावधान किया गया है प्रशासन ने ग्रामीणों को नदी, नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी है अधिकारियों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण क्षेत्र के पहाड़ी और ग्रामीण इलाकों से आने वाले छोटे-बड़े नालों में पानी का बहाव बढ़ गया है यही पानी बनास नदी में पहुंच रहा है जिससे नदी का जलस्तर लगातार ऊपर जा रहा है। प्रशासन के अनुसार रतवार, मगरोहर, सुखाड़, परसिली, नौढ़िया सहित करीब 25 गांवों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे बच्चों और बुजुर्गों को नदी-नालों के आसपास न जाने दें किसी भी तरह की जोखिम वाली स्थिति में सुरक्षित स्थान पर रहने और स्थानीय प्रशासन को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। अचानक बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। नदी के आसपास के क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर भरोसा न करें और केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें लगातार बारिश को देखते हुए आने वाले घंटों में भी नदी-नालों के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से नदी या जलभराव वाले क्षेत्रों की ओर न जाएं और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना दें।

आजीविका से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं सीधी की महिलाएं : स्वतंत्रता दिवस समारोह में मिला विशेष सम्मान, स्वरोजगार से परिवारों को बना रहीं आर्थिक रूप से मजबूत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर जिले की ग्रामीण महिलाएं आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम कर रही हैं। कृषि, जैविक खेती, लघु वनोपज प्रसंस्करण, स्वरोजगार, सिलाई, वित्तीय सेवाओं, खाद्य प्रसंस्करण सहित विभिन्न गतिविधियों से जुड़कर महिलाएं अपनी आय बढ़ाने के साथ परिवारों को भी आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन महिलाओं के उत्कृष्ट कार्यों को सम्मान देने के उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस समारोह में कलेक्टर विकास मिश्रा ने आजीविका मिशन से जुड़ी उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्व सहायता समूह की महिलाओं को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहीं महिलाओं के लिए यह सम्मान उनके प्रयासों को पहचान देने के साथ अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का अवसर भी बना कुसमी विकासखंड की कलावती सिंह ने सावित्रीबाई फुले स्व सहायता समूह से जुड़कर सीआईएफ एवं सीसीएल की सहायता से धान चक्की, आटा चक्की, थ्रेशर और ट्रैक्टर के माध्यम से कृषि आधारित गतिविधियां विकसित की हैं। इन गतिविधियों से वे प्रतिवर्ष करीब 1.50 से 2 लाख रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। इसी विकासखंड की राजमती सिंह फलोद्यान, जैविक खेती, जैविक खाद निर्माण और पारंपरिक बीज संरक्षण का कार्य कर प्रगतिशील किसान के रूप में पहचान बना रही हैं मझौली विकासखंड की मंजू सिंह और चंद्रवती साकेत महिमा उत्पादक समूह के माध्यम से महुआ संग्रहण तथा महुआ बिस्किट और लड्डू जैसे उत्पादों की मार्केटिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं उनके प्रयासों से स्थानीय महुआ उत्पादों को जिले की पहचान दिलाने में मदद मिल रही है इसी विकासखंड की प्रेमवती सिंह ने व्यावसायिक सब्जी उत्पादन से शुरुआत की अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने ट्रैक्टर खरीदा और अपने पति के लिए होटल व्यवसाय भी शुरू कराया वे लखपति दीदी के साथ उन्नतशील किसान के रूप में भी कार्य कर रही हैं। रामपुर नैकिन की अंजुला दाहिया साबुन, रंग-गुलाल निर्माण और कृषि कार्य के साथ समूह उत्पादों की मार्केटिंग में योगदान दे रही हैं। मनोरमा सिंह सिलाई सेंटर संचालित कर अन्य महिलाओं को प्रशिक्षण और रोजगार का अवसर उपलब्ध करा रही हैं सीता साकेत मुर्गी पालन एवं सिलाई के साथ बैंक सखी के रूप में ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय सेवाओं से जोड़ रही हैं सुनीता रजक कृषि और हथकरघा क्षेत्र में कार्य करते हुए अन्य महिलाओं का नेतृत्व कर रही हैं सीधी विकासखंड की उर्मिला विश्वकर्मा सिलाई सेंटर और दुकान संचालित कर परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बना रही हैं।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने कांग्रेस की पंचायत स्तरीय बैठकें

मंडलम मनकहरी में कार्यकर्ताओं ने लिया संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस संगठन को बूथ एवं पंचायत स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से मंडलम मनकहरी में पंचायत स्तरीय बैठकें आयोजित की गईं बैठकों में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया बैठकें जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण के अध्यक्ष इंजीनियर राजेन्द्र शर्मा, सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक अभय मिश्रा एवं जिला संगठन महासचिव ग्रामीण रवि तिवारी के निर्देशन में आयोजित हुईं इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह और जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता लक्ष्मी प्रसाद शर्मा की उपस्थिति रही बैठक में नेताओं ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके जमीनी कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर निर्भर करती है बूथ और पंचायत स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाया जा सकता है। इसी उद्देश्य से पंचायत स्तर पर नियमित बैठकें और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका, पंचायत स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा की गई कार्यकर्ताओं से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित करें और आमजन से लगातार संवाद बनाए रखें कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की आधारशिला है कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को गांव-गांव और पंचायत स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है।

वृद्धाश्रम में गूंजी देशभक्ति की स्वर लहरियां, कवियों की ओजस्वी वाणी से झूमे बुजुर्ग

जश्न-ए-आजादी' समारोह में देशभक्ति गीतों और कविताओं ने बांधा समां, वरिष्ठजनों ने उत्साह से लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के मार्गदर्शन में स्थानीय कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम एवं द कलाकृति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'जश्न-ए-आजादी' समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। वरिष्ठजनों के बीच स्वतंत्रता दिवस की खुशियां साझा करने के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह में देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं और संगीत प्रस्तुतियों ने वातावरण को भावनाओं और देशप्रेम से भर दिया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीधी विधायक रीती पाठक रहीं उन्होंने वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठजनों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया विधायक ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बुजुर्गों के साथ राष्ट्रीय पर्व की खुशियां साझा करना समाज के लिए प्रेरणादायी पहल है। कार्यक्रम में हठयोगी रामचंद्र दास महाराज का विशेष सानिध्य एवं आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम के संचालक शिवमणि तिवारी एवं सचिव हरगोविंद वैश्य ने बताया कि समारोह में आश्रम के सभी वरिष्ठजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की वृद्धाश्रम के अधीक्षक रावेन्द्र तिवारी, उनकी टीम और सहयोगी प्रियांशु मिश्रा के प्रयासों से कार्यक्रम को भव्य स्वरूप दिया गया वरिष्ठजनों के लिए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अतिथियों और कलाकारों ने उनके साथ समय बिताया तथा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं

कवि सम्मेलन रहा आकर्षण का केंद्र: समारोह का प्रमुख आकर्षण कवि सम्मेलन रहा। कवि बृजेश सिंह 'सरल', नीरज 'निर्मोही', आशीष तिवारी 'निर्मल', आकांक्षा त्रिपाठी, अरुणेंद्र सिंह चौहान, अरुणिमा पाठक एवं प्रीतम शुक्ला ने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रचनाओं की प्रस्तुति दी कवियों की ओजस्वी वाणी और देशप्रेम से जुड़ी प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद वरिष्ठजनों को भावविभोर कर दिया। बुजुर्गों ने भी कवियों की प्रस्तुतियों पर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसके साथ ही 'भाई बंधु म्यूजिकल ग्रुप' के युवा कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की सुरीली प्रस्तुतियों से समारोह में समां बांध दिया। समूह में हिमांशु मिश्रा, वतन द्विवेदी, अमितेश द्विवेदी, शुभ सिंह परिहार, नागेंद्र सिंह, अंकुश पांडेय, शिवम पाठक, समर्थ सिंह एवं देवेंद्र तिवारी शामिल रहे युवा कलाकारों की प्रस्तुतियों ने वरिष्ठजनों में भी उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग धनंजय मिश्रा, वृद्धाश्रम की संरक्षिका आशा मिश्रा, द कलाकृति फाउंडेशन के अध्यक्ष स्वराज धर द्विवेदी एवं कोषाध्यक्ष आशीष वास्तव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे समारोह के अंत में अतिथियों, कवियों और संगीत कलाकारों का आभार व्यक्त किया गया।

रैम्प के अंतर्गत शहडोल में दो दिवसीय जागरूकता कार्यशाला एवं कैंप आयोजित

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (RAMP) कार्यक्रम के अंतर्गत शहडोल में दो दिवसीय जागरूकता कार्यशाला एवं कैंप का आयोजन किया गया कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्यमियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना एवं स्वयं सहायता समूहों के उद्यम पंजीयन (फॉरमालाईजेशन) के साथ वित्तीय जागरूकता, व्यवसाय के औपचारिकीकरण, गुणवत्ता सुधार, बौद्धिक संपदा अधिकार तथा सतत व्यवसाय संचालन के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करना रहा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जयसिंहनगर विधायक मती मनीषा सिंह ने उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों को संबोधित करते हुए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा अपने व्यवसाय को व्यवस्थित एवं निरंतर विकसित करने का आह्वान किया विशेष अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष लोहानी ने भी प्रतिभागियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जिला व्यापारी संघ अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता ने अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जुड़ने का आह्वान किया वहीं लघु उद्योग भारती, शहडोल के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता ने उद्यमियों से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर जिले में उद्योग एवं व्यवसाय को बढ़ावा देने का आग्रह किया जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, शहडोल के महाप्रबंधक मनीष अलावा एवं प्रबंधक मती जूही खटीक शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई उन्होंने उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों से योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय का विस्तार करने तथा औपचारिक रूप से व्यवसाय संचालित करने की अपील की। कार्यशाला में प्रशिक्षकों द्वारा एमएसएमई स्टार्टअप पॉलिसी, रैम्प, ज़ेड (ज़ीरो डिफेक्ट ज़ीरो इफेक्ट), आई पी आर (इंटिलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स), जी आई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन), एस एच जी फॉर्मलाइज़ेशन, फाइनेंशियल अवेयरनेस, ई एस जी (एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस) एवं आर ई सी पी (रिसोर्स एफिशिएंट एंड क्लीनर प्रोडक्शन) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के सचिव रविन्द्र गुप्ता, संरक्षक सुशील सिंघल, एनआरएलएम के डीपीएम अजय सिंह सहित उद्यानिकी विभाग, आदिमजाति वित्त विकास निगम, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, तकनीकी कौशल शिक्षा विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, स्टार्टअप इनक्यूबेटर तथा विभिन्न स्वरोजगार विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, रैम्प टीम, ई एंड वाई टीम, ओ एन डी सी टीम सभी स्वरोजगार कक्ष के अधिकारी-कर्मचारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे। रैम्प के अंतर्गत आयोजित यह कार्यशाला एवं कैंप जिले के उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों को शासन की योजनाओं से जोड़ने, उनकी क्षमता एवं व्यवसायिक दक्षता को मजबूत करने तथा स्थानीय व्यवसायों को अधिक प्रतिस्पर्धी, गुणवत्तापूर्ण एवं सतत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही।

युवाओं के लिए रोजगार का अवसर : 25 अगस्त को कुसमी में लगेगा एक दिवसीय युवा संगम मेला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 25 अगस्त 2026 को कुसमी में एक दिवसीय युवा संगम मेले का आयोजन किया जाएगा जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार को युवा संगम का आयोजन किया जाता है कलेक्टर के निर्देशानुसार इस माह का कार्यक्रम अब 25 अगस्त को कुसमी में आयोजित किया जाएगा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में यह मेला शासकीय आईटीआई कुसमी परिसर में आयोजित होगा मेले का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

रोजगार और स्वरोजगार की मिलेगी जानकारी : युवा संगम मेले में रोजगार एवं स्वरोजगार से संबंधित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। यहां युवाओं को रोजगार के संभावित अवसरों की जानकारी देने के साथ विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों, प्रशिक्षण और अप्रेन्टिसशिप से जुड़ी आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

संपादकीय

गांव नहीं गांव जैसे

'शहर जैसे गांव' से पहले 'गांव को गांव जैसे' बने रहने की संगत, सद्भावना, शिष्टाचार, आर्थिकी व सामुदायिक भावना का संरक्षण करना चाहिए। पर्वतीय राज्य की आचार संहिता से बाहर शहर अगर चार कदम चल रहे हैं, तो गांव चालीस चल रहे हैं। ऐसे में शहर जैसे गांव की परिभाषा में कई शर्तें, सुविधाएं, व्यवस्था, नियोजन, आर्थिकी, अधोसंरचना और विश्वास की कसौटियां शिरकत कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने नेरवा में अग्निशमन चौकी का लोकार्पण पर जो कहा, कमोबेश वही सब इलेक्ट्रिक बसों के रूटों के आबंटन में सामने आ रहा है। प्रदेश के कई वक्तव्य गांव में सिद्ध होते हैं, लेकिन कृषि व बागबानी के सबूत पूरे हिमाचल की देखरेख नहीं करते। जब पालमपुर में कृषि और सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय बसे थे, तो आशाएं गांव की दोपहर को जगाती थीं। सेब से लदी टहनियां आत्मसम्मान के गीत गाती थीं। उधर बिलासपुर-ऊना की मक्की अपनी मूंछों को ताब देती थी, तो कांगड़ा का धान महक घोलता था। कभी उत्पादन की चर्चा में हर हिमाचली चूल्हा आत्मनिर्भर होने का दंभ भरता था, लेकिन क्या आज गांव का खेत और खड्ड का घराट बचा। गांव तक खुल गए रिटेल स्टोर और गांव का घर खरीदने लगा पैकेट का दूध। भैंस या गाय को दूर आवारा छोड़ आए गांव के हाथ अब कहां गोबर से खराब होते हैं। वहां तो नया घर बनाने की होड़ ने खेत समेट लिया है, क्योंकि फोरलेन में आने वाली जमीन ने इतने पैसे तो दे दिए कि नए घर में एक बड़ी सी गाड़ी खड़ी हो जाए। हिमाचल में 25 लाख पंजीकृत वाहन और इतने ही बाहर से आ रहे, तो गांव ने भी अपनी गलियों को वाहनों से सजा दिया। कितना सिकुड़ गया गांव का बाजार और सड़क के छोर पर ईट-पत्थरों की दीवारों ने रोक दीं घाटियां और पहाड़ की दृश्यावलियां।

गांव के चौक में फंस जाती है एचआरटीसी और ट्रैफिक जाम में पीला पड़ जाता है ग्रामीण चेहरा। गांव के लुहार की भट्ठी कब उजड़ गई, पता नहीं। तरख्वान, कुम्हार और बढ़ई सारे चले गए सरकारी नौकरी में और वहां आ गए बाहरी प्रदेशों के कारीगर। अब दादी-नानी रजाई में टांके नहीं मारती, बल्कि यूपी के लोग कमा रहे हैं। अब मस्तो, देवीलाल या कांशी राम के बेटे दिहाड़ी नहीं लगाते, कितने ही अभिभावकों के बच्चे अब चिट्टा खा गए या शराब के नशे में नाटी की अदा, मैदान में वालीबाल का मजा या रामलीला में हनुमान की गदा उठाने भूल गए। नहीं है अब हिमाचल पहले जैसा ग्रामीण और न लोग अब पूरे ग्रामीण। आश्चर्य तो यह कि अब कबाइली इलाके भी कबाइली नहीं रहे। पूरा किन्नौर नीचे उतर कर सोलन में बसने लगा। लाहौल-स्पीति नीचे उतर कर मनाली तो पांगी कुल्लू हो गया। होली-भरमौर देखना है तो कांगड़ा में बस गए चंबा को देखें। ऐसे में ग्रामीण अंचल को बचाने की जरूरत में नीतियों-कार्यक्रमों और ऐसी परियोजनाओं की जरूरत है, जो गांव में बिजली, पानी और सफाई का प्रबंध करे। सरकार ने अभी हाल ही में कुछ सफाई वाहन देकर गांव की आत्मा को स्वच्छ रखने का उदाहरण पेश किया है। गांव में सड़क, ग्राउंड, गली, नदी, नाली-नाला, खेती-बागबानी बचाने के लिए नए प्रयोग और युवा ओरिएंटेशन की जरूरत है। गांव की जमीनों की पूलिंग, वन संपदा में हिस्सेदारी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार व हाट बाजार विकसित करने पड़ेंगे। गांवों में बस स्टॉप कम बाजार परिसर, चौक-चौराहों का विकास तथा जल निकास का इंतजाम करना पड़ेगा। ग्रामीण विकास के साथ शहरीकरण के आगमन को व्यवस्थित करने के लिए विभागीय सोच बदलना पड़ेगा और पूरे प्रदेश को आठ-दस क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के तहत समन्वय स्थापित करना होगा।

आरोप लगा, नौकरी गई, क्या जांच हुई?

आज का दिन डॉ. ममता सागर के लिए शायद यह एक सामान्य कार्यदिवस नहीं था। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. सागर की सेवा उसी दिन एक आदेश द्वारा समाप्त कर दी गई। इसके कुछ ही दिनों बाद, 23 जून को, विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार (एस्टेट) ने उन्हें आवंटित आवास खाली करने का निर्देश भी दे दिया।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस नाग संस्कृति और आम जनमानस के बीच की जीवंत कड़ी रहा है, 'सपेरा समुदाय' (जिन्हें विभिन्न राज्यों में नाथ, जोगी, कालबेलिया या सपेला कहा जाता है)। सदियों से इस घुमंतू समुदाय ने मानव और वन्यजीव के बीच एक ऐसा अनूठा संतुलन बनाया, जिसे आधुनिक विज्ञान आज भी पूरी तरह समझने में असमर्थ है। परंतु, वर्ष 1972 के वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के एकतरफा क्रियान्वयन ने इस पूरी विशेषज्ञता को एक झटके में 'अपराध' घोषित कर दिया।

नागपंचमी और सपेरा समुदाय का धार्मिक-पारिस्थितिक संबंध

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला 'नागपंचमी' का त्योहार एक ओर प्रत्येक हिन्दू के लिए धार्मिक अनुष्ठान है, वहीं दूसरी ओर यह एक गहरी पारिस्थितिक सोच का परिणाम है। वर्षा ऋतु में जब सांप अपने बिलों से बाहर निकलते हैं, तब मनुष्यों और सांपों के बीच टकराव की संभावना बढ़ जाती है। सनातन परंपरा ने इस टकराव को टालने के लिए 'नागपूजा' का विधान किया। इस विधान के सबसे बड़े पुरोहित सपेरा समुदाय के लोग थे। वे गांवों और शहरों में जाकर लोगों को सांपों के प्रति भयमुक्त करते थे, उनका दर्शन कराते थे और समाज के भीतर एक धार्मिक चेतना जगाते थे कि 'सांप मारने योग्य नहीं, बल्कि पूजनीय जीव है।' यह समुदाय सांपों को 'क्षेत्रपाल' (खेतों का रक्षक) मानता था, क्योंकि वे फसलों को नष्ट करने वाले चूहों का शिकार करते थे।

इस प्रकार, नागपंचमी और सपेरों की उपस्थिति ने सदियों तक भारत में सांपों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम किया, किंतु आज, जब सपेरा गलियों में नहीं दिखता, तो लोग आत्मरक्षा के नाम पर घरों में निकलने वाले सांपों को लाठियों से पीट-पीटकर मार डालते हैं। यह आधुनिकता की कैसी विडंबना है कि जिस कानून को सांपों को बचाने के लिए लाया गया था, उसी कानून ने सांपों के सबसे बड़े रक्षकों को ही उनसे दूर कर दिया।

1972 का कानूनः एक समुदाय की आजीविका पर वज्रपात

भारत सरकार ने जब 1972 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम लागू किया, तो उसका उद्देश्य निश्चित रूप से वन्यजीवों की तस्करी और क्रूरता को रोकना था। मगर इस कानून का सबसे क्रूर प्रभाव भारत की अनुमानित 10 से 15 लाख की सपेरा आबादी पर पड़ा। बिना किसी पूर्व तैयारी, बिना किसी वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था और बिना किसी व्यवस्थित पुनर्वास के, सदियों पुराने एक पारंपरिक पेशे को रातों-रात 'गैर-कानूनी' घोषित कर दिया गया। इस कानून के तहत सांपों को अनुसूची में शामिल किया गया, जिसके कारण सांप को पकड़ना, पास रखना या उसका प्रदर्शन करना 3 से 7 साल की जेल और गैर-जमानती अपराध बन गया। एक घुमंतू समुदाय, जिसके पास न तो खेती के लिए जमीन थी, न स्थायी मकान थे और न ही आधुनिक शिक्षा, वे एक ही झटके में अपनी ही जमीन पर 'अपराधी' बना दिए गए। इस संबंध में ऑल इंडिया घुमंतू सपेरा विकास महासंघ जैसी संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं कि इस कानून के बाद उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों में सपेरा समुदाय के लाखों परिवार घोर गरीबी, भुखमरी और सामाजिक अलगाव के दलदल में धकेल दिए गए।

दोहरे मापदंडः चिड़ियाघर बनाम गरीब सपेरा

राज्य की नीतियों की आलोचना करते हुए यह प्रश्न उठना अनिवार्य है कि जब एक गरीब सपेरा अपनी आजीविका के लिए सांप रखता है, तो उसे 'क्रूरता' और 'अपराध' कहा जाता है, लेकिन जब वही राज्य 'चिड़ियाघर' या 'सफारी' के नाम पर हजारों जंगली जानवरों को लोहे के पिंजरों में कैद करता है और उनसे व्यावसायिक लाभ (टिकट) कमाता है, तो उसे 'संरक्षण' और 'शिक्षा' का नाम दे दिया जाता है। यह न्याय के किस सिद्धांत के अंतर्गत आता है? तर्क दिया जाता है कि चिड़ियाघरों में डॉक्टरों की टीम होती है और वैज्ञानिक रखरखाव होता है। परंतु, इस तर्क में सपेरा समुदाय के उस गहन 'पारंपरिक व्यावहारिक विज्ञान' को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसे उन्होंने पीढ़ियों के अनुभव से हासिल किया था। एक सपेरा केवल सांप की फुफकार या मिट्टी पर उसके रेंगने के निशान से उसकी प्रजाति, लिंग और व्यवहार की सटीक जानकारी दे सकता है। क्या किसी आधुनिक विश्वविद्यालय की डिग्री इस व्यावहारिक विशेषज्ञता का मुकाबला कर सकती है? कानून ने इस अनूठे ज्ञान को सहेजने के बजाय उसे नष्ट करना बेहतर समझा।

पारंपरिक ज्ञान और चिकित्सा का अपूरणीय ह्रास

सपेरा जाति के पास केवल सांप पकड़ने का हुनर नहीं था, बल्कि उनके पास पारंपरिक औषधियों, जड़ी-बूटियों और सर्पदंश के इलाज का एक अमूल्य मौखिक खजाना था। चूंकि यह समुदाय घुमंतू था, इसलिए इनका ज्ञान किसी लिखित पुस्तक में नहीं, बल्कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में मौखिक रूप से ट्रांसफर होता था। जब कानून ने इस पेशे पर प्रतिबंध लगाया, तो नई पीढ़ी ने बदनामी और जेल के डर से इस काम से पूरी तरह दूरी बना ली। परिणाम यह हुआ कि वह पारंपरिक ज्ञान, जो भारत की स्वदेशी चिकित्सा पद्धति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, हमेशा के लिए लुप्त हो गया। आज जब भारत सरकार का आयुष मंत्रालय पारंपरिक चिकित्सा को पुनर्जीवित करने की बात करता है, तब सपेरा समुदाय के इस नष्ट हो चुके ज्ञान की भरपाई कैसे होगी, इस पर कोई नीति स्पष्ट नहीं है।

तमिलनाडु का 'इरुला मॉडल': एक अनुकरणीय प्रमाण

ऐसा नहीं है कि सपेरा समुदाय के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए उनके पुनर्वास का कोई रास्ता नहीं था। इसका सबसे बड़ा और जीवंत प्रमाण तमिलनाडु की 'इरुला स्नेक कैचर्स इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव सोसाइटी' है। जब 1972 के कानून से इरुला जनजाति की आजीविका छिनी, तो प्रसिद्ध पर्यावरणविद रोमुलस व्हिटेकर के प्रयासों से सरकार ने एक बीच का रास्ता निकाला। सरकार ने इरुला समुदाय के लोगों को कानूनी रूप से सांप पकड़ने और उनका जहर निकालने का लाइसेंस दिया। आज, भारत में सांप के काटने से बचने वाली जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए 80% से अधिक जहर यही इरुला समुदाय अपनी विशेषज्ञता से निकालता है।

इस सहकारी समिति से उन्हें सम्मानजनक रोजगार भी मिला और देश को जीवन रक्षक दवाएं भी। प्रश्न यह उठता है कि जो मॉडल तमिलनाडु के इरुला समुदाय के लिए सफल रहा, उसे उत्तर भारत के नाथ, जोगी और कालबेलिया सपेरा समुदायों के लिए पूरे देश में व्यापक स्तर पर क्यों नहीं लागू किया गया? उत्तर भारत के सपेरों को इस वैज्ञानिक प्रक्रिया से क्यों नहीं जोड़ा गया? यह राज्य तंत्र की प्रशासनिक उदासीनता और नीतिगत विफलता का एक बड़ा प्रमाण है।

सांस्कृतिक पहचान का संकट और अधूरे सरकारी प्रयास

राजस्थान में कालबेलिया समुदाय के नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान मिला, जिससे कुछ कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिला, किंतु यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। समुदाय का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी पहचान पत्र (जैसे जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड) न होने के कारण 'सीड' जैसी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है। घुमंतू जीवनशैली के कारण उनके बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल नहीं किया जा सका, जिससे उनकी सामाजिक स्थिति और बदतर होती चली गई। यह सही है कि वन्यजीवों के प्रति क्रूरता का अंत होना चाहिए, मगर जीवों की रक्षा की कीमत इंसानों (विशेषकर समाज के सबसे पिछड़े तबके) को भूखा मारकर चुकाई जाए, इसे किसी भी सभ्य समाज में 'न्याय' नहीं कहा जा सकता।

सपेरा जाति के पक्ष में सच्ची न्यायप्रियता तभी सुनिश्चित होगी जब सरकार निम्नलिखित कदम उठाएगीः

1. सर्टिफाइड स्नेक रेस्क्यूअर की नियुक्तिः देश के हर जिले के वन विभाग में सपेरा समुदाय के युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण देकर 'आधिकारिक स्नेक रेस्क्यूअर' के रूप में मानदेय या स्थायी नौकरी पर रखा जाए। 2. एंटी-वेनम केंद्रों की स्थापनाः उत्तर और मध्य भारत में 'इरुला मॉडल' की तर्ज पर सरकारी एंटी-वेनम एक्सट्रैक्शन सेंटर खोले जाएं, जहां इन सपेरों के हुनर का उपयोग देश के लिए दवाएं बनाने में हो। 3. पारंपरिक कला को पेंशन और सुरक्षाः बीन संगीत और लोक कलाओं से जुड़े बुजुर्ग कलाकारों को विशेष सांस्कृतिक पेंशन दी जाए।

अंत में यही कहना है कि नाग संस्कृति को जीवित रखने का मतलब सांपों को प्रताड़ित करना नहीं है, यह तो वास्तव में उस संस्कृति को जन्म देने वाले मानव-विशेषज्ञों को सम्मान देना है। सनातन की मूल भावना 'सर्वे भवंतु सुखिनः' तभी चरितार्थ होती है, जब इस आधुनिक युग में प्रकृति के इन प्राचीन संरक्षकों को भी सम्मान और आजीविका का अधिकार मिलेगा। आशा करें केंद्र एवं राज्यों की सरकारें इस को जरूर गंभीरता से लेंगी।

आज का इतिहास

1800 - लॉर्ड वेलेजली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की थी.

1900 - भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म हुआ था.

1903 - जर्मन अभियंता कार्ल जाथो ने राइट भाइयों की पहली उड़ान से चार महीने पहले कथित तौर पर अपने स्वयं के बने, मोटर ग्लाइडिंग हवाई जहाज को उड़ाया था.

1920 - संयुक्त राज्य संविधान के 19वे संशोधन में महिलाओं के मताधिकार की पुष्टि की गयी थी.

1923 - महिलाओं के लिए प्रथम ब्रिटिश ट्रैक और फील्ड चैम्पियनशिप, लंदन में शुरु हुई थी.

1924 - फ्रांस ने जर्मनी से अपनी सेनाएँ वापस बुलानी शुरु किया था.

1945 - देश में स्वतंत्रता की घोषणा के बाद सुकर्णो इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति के रूप में कार्यालय में कार्यरत हुए थे.

1945 - ताइवान के ताइहोकू हवाई अड्डा पर सुभाषचन्द्र बोस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें उनकी मृत्यु हो गई थी.

1950 - बेल्जियम की कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष जूलियन लाहौत की हत्या कर दी गई थी.

1951 - पश्चिम बंगाल के खडगपुर में भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान खुला था.

1958 - व्लादिमीर नाबोकोव के विवादास्पद उपन्यास लोलिता को संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रकाशित किया गया था.

1963 - नागरिक अधिकार आंदोलनः जेम्स मेरिडिथ मिसिसिपी विश्वविद्यालय से स्नातक होने वाले पहले अफ्रीकी अमेरिकी बने थे.

1966 - वियतनाम युद्धः 6 वें बटालियन से गश्ती के बाद लांग टैन की लड़ाई शुरू हुई.

1971 - वियतनाम युद्धः ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने वियतनाम से अपनी सेना वापस लेने का फैसला किया था.

1973 - अमेरिका के बोस्टन में पहले एफ एम रेडियों स्टेशन के निर्माण को मंजूरी दे दी थी.

1976 - पनमुंजोम में कोरियाई डेमिटिटराइज्ड जोन में हत्या की घटना के परिणामस्वरूप दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी.

1977 - स्टीव बिको को किंग विलियम टाउन, दक्षिण अफ्रीका में 1967 के आतंकवाद अधिनियम संख्या 83 के तहत एक पुलिस रोडब्लॉक में गिरफ्तार किया गया था. बाद में वह गिरफ्तारी के दौरान लगी चोटों से मर जाता.

पारंपरिक विशेषज्ञता पर आधुनिक कानून की मारः सपेरा समुदाय के सांस्कृतिक और आर्थिक विस्थापन का विश्लेषण

भारतीय सनातन परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां प्रकृति, वनस्पति और जीव-जंतुओं को मनुष्य के प्रतिद्वंद्वी के रूप में कभी नहीं देखा गया है। यह सभी तो जीवन के सहयात्री के रूप में हैं। इसी विचार के केंद्र में है भारत की 'नाग संस्कृति'। भगवान शिव के कंठ का आभूषण 'वासुकी' और भगवान विष्णु का शयन-आसन 'शेषनाग' होना इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति ने भयानक समझे जाने वाले जीवों को भी दिव्यता प्रदान की।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस नाग संस्कृति और आम जनमानस के बीच की जीवंत कड़ी रहा है, 'सपेरा समुदाय' (जिन्हें विभिन्न राज्यों में नाथ, जोगी, कालबेलिया या सपेला कहा जाता है)। सदियों से इस घुमंतू समुदाय ने मानव और वन्यजीव के बीच एक ऐसा अनूठा संतुलन बनाया, जिसे आधुनिक विज्ञान आज भी पूरी तरह समझने में असमर्थ है। परंतु, वर्ष 1972 के वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के एकतरफा क्रियान्वयन ने इस पूरी विशेषज्ञता को एक झटके में 'अपराध' घोषित कर दिया।

नागपंचमी और सपेरा समुदाय का धार्मिक-पारिस्थितिक संबंध

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला 'नागपंचमी' का त्योहार एक ओर प्रत्येक हिन्दू के लिए धार्मिक अनुष्ठान है, वहीं दूसरी ओर यह एक गहरी पारिस्थितिक सोच का परिणाम है। वर्षा ऋतु में जब सांप अपने बिलों से बाहर निकलते हैं, तब मनुष्यों और सांपों के बीच टकराव की संभावना बढ़ जाती है। सनातन परंपरा ने इस टकराव को टालने के लिए 'नागपूजा' का विधान किया। इस विधान के सबसे बड़े पुरोहित सपेरा समुदाय के लोग थे। वे गांवों और शहरों में जाकर लोगों को सांपों के प्रति भयमुक्त करते थे, उनका दर्शन कराते थे और समाज के भीतर एक धार्मिक चेतना जगाते थे कि 'सांप मारने योग्य नहीं, बल्कि पूजनीय जीव है।' यह समुदाय सांपों को 'क्षेत्रपाल' (खेतों का रक्षक) मानता था, क्योंकि वे फसलों को नष्ट करने वाले चूहों का शिकार करते थे।

इस प्रकार, नागपंचमी और सपेरों की उपस्थिति ने सदियों तक भारत में सांपों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम किया, किंतु आज, जब सपेरा गलियों में नहीं दिखता, तो लोग आत्मरक्षा के नाम पर घरों में निकलने वाले सांपों को लाठियों से पीट-पीटकर मार डालते हैं। यह आधुनिकता की कैसी विडंबना है कि जिस कानून को सांपों को बचाने के लिए लाया गया था, उसी कानून ने सांपों के सबसे बड़े रक्षकों को ही उनसे दूर कर दिया।

1972 का कानूनः एक समुदाय की आजीविका पर वज्रपात

भारत सरकार ने जब 1972 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम लागू किया, तो उसका उद्देश्य निश्चित रूप से वन्यजीवों की तस्करी और क्रूरता को रोकना था। मगर इस कानून का सबसे क्रूर प्रभाव भारत की अनुमानित 10 से 15 लाख की सपेरा आबादी पर पड़ा। बिना किसी पूर्व तैयारी, बिना किसी वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था और बिना किसी व्यवस्थित पुनर्वास के, सदियों पुराने एक पारंपरिक पेशे को रातों-रात 'गैर-कानूनी' घोषित कर दिया गया। इस कानून के तहत सांपों को अनुसूची में शामिल किया गया, जिसके कारण सांप को पकड़ना, पास रखना या उसका प्रदर्शन करना 3 से 7 साल की जेल और गैर-जमानती अपराध बन गया। एक घुमंतू समुदाय, जिसके पास न तो खेती के लिए जमीन थी, न स्थायी मकान थे और न ही आधुनिक शिक्षा, वे एक ही झटके में अपनी ही जमीन पर 'अपराधी' बना दिए गए। इस संबंध में ऑल इंडिया घुमंतू सपेरा विकास महासंघ जैसी संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं कि इस कानून के बाद उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली जैसे राज्यों में सपेरा समुदाय के लाखों परिवार घोर गरीबी, भुखमरी और सामाजिक अलगाव के दलदल में धकेल दिए गए।

दोहरे मापदंडः चिड़ियाघर बनाम गरीब सपेरा

राज्य की नीतियों की आलोचना करते हुए यह प्रश्न उठना अनिवार्य है कि जब एक गरीब सपेरा अपनी आजीविका के लिए सांप रखता है, तो उसे 'क्रूरता' और 'अपराध' कहा जाता है, लेकिन जब वही राज्य 'चिड़ियाघर' या 'सफारी' के नाम पर हजारों जंगली जानवरों को लोहे के पिंजरों में कैद करता है और उनसे व्यावसायिक लाभ (टिकट) कमाता है, तो उसे 'संरक्षण' और 'शिक्षा' का नाम दे दिया जाता है। यह न्याय के किस सिद्धांत के अंतर्गत आता है? तर्क दिया जाता है कि चिड़ियाघरों में डॉक्टरों की टीम होती है और वैज्ञानिक रखरखाव होता है। परंतु, इस तर्क में सपेरा समुदाय के उस गहन 'पारंपरिक व्यावहारिक विज्ञान' को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसे उन्होंने पीढ़ियों के अनुभव से हासिल किया था। एक सपेरा केवल सांप की फुफकार या मिट्टी पर उसके रेंगने के निशान से उसकी प्रजाति, लिंग और व्यवहार की सटीक जानकारी दे सकता है। क्या किसी आधुनिक विश्वविद्यालय की डिग्री इस व्यावहारिक विशेषज्ञता का मुकाबला कर सकती है? कानून ने इस अनूठे ज्ञान को सहेजने के बजाय उसे नष्ट करना बेहतर समझा।

पारंपरिक ज्ञान और चिकित्सा का अपूरणीय ह्रास

सपेरा जाति के पास केवल सांप पकड़ने का हुनर नहीं था, बल्कि उनके पास पारंपरिक औषधियों, जड़ी-बूटियों और सर्पदंश के इलाज का एक अमूल्य मौखिक खजाना था। चूंकि यह समुदाय घुमंतू था, इसलिए इनका ज्ञान किसी लिखित पुस्तक में नहीं, बल्कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में मौखिक रूप से ट्रांसफर होता था। जब कानून ने इस पेशे पर प्रतिबंध लगाया, तो नई पीढ़ी ने बदनामी और जेल के डर से इस काम से पूरी तरह दूरी बना ली। परिणाम यह हुआ कि वह पारंपरिक ज्ञान, जो भारत की स्वदेशी चिकित्सा पद्धति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, हमेशा के लिए लुप्त हो गया। आज जब भारत सरकार का आयुष मंत्रालय पारंपरिक चिकित्सा को पुनर्जीवित करने की बात करता है, तब सपेरा समुदाय के इस नष्ट हो चुके ज्ञान की भरपाई कैसे होगी, इस पर कोई नीति स्पष्ट नहीं है।

तमिलनाडु का 'इरुला मॉडल': एक अनुकरणीय प्रमाण

ऐसा नहीं है कि सपेरा समुदाय के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए उनके पुनर्वास का कोई रास्ता नहीं था। इसका सबसे बड़ा और जीवंत प्रमाण तमिलनाडु की 'इरुला स्नेक कैचर्स इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव सोसाइटी' है। जब 1972 के कानून से इरुला जनजाति की आजीविका छिनी, तो प्रसिद्ध पर्यावरणविद रोमुलस व्हिटेकर के प्रयासों से सरकार ने एक बीच का रास्ता निकाला। सरकार ने इरुला समुदाय के लोगों को कानूनी रूप से सांप पकड़ने और उनका जहर निकालने का लाइसेंस दिया। आज, भारत में सांप के काटने से बचने वाली जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए 80% से अधिक जहर यही इरुला समुदाय अपनी विशेषज्ञता से निकालता है।

इस सहकारी समिति से उन्हें सम्मानजनक रोजगार भी मिला और देश को जीवन रक्षक दवाएं भी। प्रश्न यह उठता है कि जो मॉडल तमिलनाडु के इरुला समुदाय के लिए सफल रहा, उसे उत्तर भारत के नाथ, जोगी और कालबेलिया सपेरा समुदायों के लिए पूरे देश में व्यापक स्तर पर क्यों नहीं लागू किया गया? उत्तर भारत के सपेरों को इस वैज्ञानिक प्रक्रिया से क्यों नहीं जोड़ा गया? यह राज्य तंत्र की प्रशासनिक उदासीनता और नीतिगत विफलता का एक बड़ा प्रमाण है।

सांस्कृतिक पहचान का संकट और अधूरे सरकारी प्रयास

राजस्थान में कालबेलिया समुदाय के नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में स्थान मिला, जिससे कुछ कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिला, किंतु यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। समुदाय का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी पहचान पत्र (जैसे जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड) न होने के कारण 'सीड' जैसी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है। घुमंतू जीवनशैली के कारण उनके बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल नहीं किया जा सका, जिससे उनकी सामाजिक स्थिति और बदतर होती चली गई। यह सही है कि वन्यजीवों के प्रति क्रूरता का अंत होना चाहिए, मगर जीवों की रक्षा की कीमत इंसानों (विशेषकर समाज के सबसे पिछड़े तबके) को भूखा मारकर चुकाई जाए, इसे किसी भी सभ्य समाज में 'न्याय' नहीं कहा जा सकता।

सपेरा जाति के पक्ष में सच्ची न्यायप्रियता तभी सुनिश्चित होगी जब सरकार निम्नलिखित कदम उठाएगीः

1. सर्टिफाइड स्नेक रेस्क्यूअर की नियुक्तिः देश के हर जिले के वन विभाग में सपेरा समुदाय के युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण देकर 'आधिकारिक स्नेक रेस्क्यूअर' के रूप में मानदेय या स्थायी नौकरी पर रखा जाए।
2. एंटी-वेनम केंद्रों की स्थापनाः उत्तर और मध्य भारत में 'इरुला मॉडल' की तर्ज पर सरकारी एंटी-वेनम एक्सट्रैक्शन सेंटर खोले जाएं, जहां इन सपेरों के हुनर का उपयोग देश के लिए दवाएं बनाने में हो।
3. पारंपरिक कला को पेंशन और सुरक्षाः बीन संगीत और लोक कलाओं से जुड़े बुजुर्ग कलाकारों को विशेष सांस्कृतिक पेंशन दी जाए।

अंत में यही कहना है कि नाग संस्कृति को जीवित रखने का मतलब सांपों को प्रताड़ित करना नहीं है, यह तो वास्तव में उस संस्कृति को जन्म देने वाले मानव-विशेषज्ञों को सम्मान देना है। सनातन की मूल भावना 'सर्वे भवंतु सुखिनः' तभी चरितार्थ होती है, जब इस आधुनिक युग में प्रकृति के इन प्राचीन संरक्षकों को भी सम्मान और आजीविका का अधिकार मिलेगा। आशा करें केंद्र एवं राज्यों की सरकारें इस को जरूर गंभीरता से लेंगी।

आज का राशिफल

मेष- मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष- आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन- विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला- खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु- धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुम्भ- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने् में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

पांच साल बाद वेतन की अतिरिक्त वसूली पर हाईकोर्ट की रोक, कर्मचारियों को बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वेतन निर्धारण में विभागीय गलती के कारण कर्मचारियों को हुए अतिरिक्त भुगतान की पांच साल बाद की गई वसूली को अवैध ठहराते हुए कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारियों से अतिरिक्त वेतन की वसूली के लिए जारी आदेशों को निरस्त कर दिया। साथ ही जिन कर्मचारियों से राशि की वसूली पहले ही की जा चुकी है उन्हें रकम वापस करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए हैं यह मामला पुलिस और राजस्व विभाग के कई कर्मचारियों से जुड़ा था पुलिस विभाग के कंपनी कमांडर आरएल खूंटे, इंस्पेक्टर विनोद शर्मा, सब इंस्पेक्टर उमाशंकर पाण्डेय, एएसआई एलबी सिंह, एपीसी दिनेश दुबे और हवलदार शांतिलाल साहू सहित राजस्व विभाग के पटवारी शांतिलाल साहू एवं अन्य कर्मचारियों ने

हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं। कर्मचारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वेतन से अतिरिक्त राशि की जा रही वसूली के आदेशों को चुनौती दी थी सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का दिया हवाला याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पांडेय और सुंदरा साहू ने पैरवी की उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न महत्वपूर्ण फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि किसी कर्मचारी को विभागीय त्रुटि के कारण अधिक वेतन का भुगतान हुआ है और उस भुगतान को लंबे समय विशेषकर पांच वर्ष से अधिक समय बीत चुका है तो कर्मचारी से उस अतिरिक्त राशि की वसूली करना उचित नहीं है वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के जोगेश्वर साहू मामले (2025), थॉमस डेनियल बनाम स्टेट ऑफ केरल (2022) और स्टेट ऑफ पंजाब बनाम रफीक मसीह (2015) के फैसलों को आधार बनाया कर्मचारी की गलती नहीं तो वसूली क्यों मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को ध्यान में रखा कोर्ट ने माना कि जब अतिरिक्त भुगतान कर्मचारी की किसी गलती या गलत प्रस्तुति के कारण नहीं, बल्कि विभागीय स्तर पर वेतन निर्धारण में हुई त्रुटि के कारण हुआ है तो लंबे समय बाद कर्मचारी से उस राशि की वसूली करना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के खिलाफ जारी वसूली आदेशों को रद्द करते हुए विभागों को निर्देश दिया कि अब तक जिन कर्मचारियों से अतिरिक्त रकम वसूल की जा चुकी है वह राशि उन्हें वापस की जाए तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण फैसला हाईकोर्ट के इस निर्णय को उन तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है जिनसे विभागीय गलती के कारण वर्षों पहले अधिक भुगतान की गई वेतन राशि की वसूली की जा रही थी फैसले से स्पष्ट हुआ है कि कर्मचारी की किसी गलती के बिना हुए अतिरिक्त भुगतान की लंबे अंतराल के बाद वसूली पर न्यायालय ने रोक लगाई है इससे पुलिस और राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों के ऐसे कर्मचारियों को भी राहत मिलने की संभावना है जिनके वेतन निर्धारण में विभागीय त्रुटि के कारण अतिरिक्त भुगतान हुआ था।

25 अगस्त को मनेन्द्रगढ़ में रोजगार मेला, 135 पदों पर भर्ती

वेल्डर, मीटर इंस्टॉलेशन, सिलाई मशीन ऑपरेटर और शिक्षकीय पदों पर मिलेगा रोजगार का अवसर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा 25 अगस्त 2026, मंगलवार को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) मनेन्द्रगढ़ में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर कुल 135 रिक्तियों के लिए युवाओं का चयन किया जाएगा रोजगार मेले में वेदांता स्किल स्कूल लर्निंग स्किल्स लिमिटेड, कोरबा द्वारा वेल्डर के 20 पद, होटल मैनेजमेंट के 25 पद तथा सिलाई मशीन ऑपरेटर के 25 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं से 12वीं तक निर्धारित है और वेतनमान 12 हजार से 20 हजार रुपये प्रतिमाह तक रहेगा इसी प्रकार जीनियस इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मीटर इंस्टॉलेशन के 50 पदों पर 10वीं, 12वीं अथवा आईटीआई उत्तीर्ण पुरुष अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 25 हजार रुपये तक वेतन मिलेगा तथा कार्यक्षेत्र छत्तीसगढ़ रहेगा न्यू लाइफ इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल जनकपुर में भी शिक्षकीय पदों पर भर्ती होगी इसमें पीआरटी अंग्रेजी के 5 पीआरटी विज्ञान के 5, टीजीटी हिंदी के 3 तथा पीजीटी अंग्रेजी और पीजीटी भौतिकी के एक-एक पद शामिल हैं पदों के अनुसार एमए एमएससी बीएससी डीएड एवं बीएड जैसी योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इन पदों के लिए 8 हजार से 18 हजार रुपये तक वेतनमान रहेगा पंजीयन और दस्तावेज अनिवार्य रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है इसमें शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का ई-रोजगार पोर्टल अथवा ष्ट्र Rojgar Panjiyan App के माध्यम से पंजीकृत होना अनिवार्य है पंजीकृत अभ्यर्थियों को ही प्लेसमेंट कैंप में शामिल किया जाएगा अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण-पत्र, निवास एवं जाति प्रमाण-पत्र, रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साइज फोटो सहित आवश्यक दस्तावेज लेकर 25 अगस्त को निर्धारित समय पर आईटीआई मनेन्द्रगढ़ में उपस्थित होना होगा।

बिलासपुर में तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर फुटपाथ पर चढ़ी नाबालिग चालक समेत युवकों से विवाद

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर ऑटो को टक्कर मारने और फुटपाथ पर चढ़ जाने का मामला सामने आया है। हादसे के बाद कार सवार युवकों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद हो गया घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जानकारी के मुताबिक, घटना करीब तीन दिन पहले बारिश के दौरान सिरगिट्टी क्षेत्र की मुख्य सड़क पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज गति से चल रही थी इसी दौरान कार लहराते हुए पहले एक ऑटो से टकराई और फिर सड़क किनारे दुकान के पास फुटपाथ पर जा चढ़ी। टक्कर से कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया मौके पर मौजूद कई लोगों ने समय रहते हटकर खुद को बचाया कार में नाबालिग समेत कई लोग सवार हादसे के बाद कार में सवार चालक के नाबालिग होने की बात सामने आई है उसके साथ एक युवती और कुछ अन्य युवक भी मौजूद थे स्थानीय लोगों ने कार सवारों के नशे में होने का दावा किया है हालांकि इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई इसी दौरान कार सवारों और स्थानीय लोगों के बीच बहस शुरू हो गई विवाद बढ़ने पर कुछ स्थानीय युवकों ने कार सवारों के साथ मारपीट कर दी युवती के साथ भी मारपीट किए जाने का वीडियो सामने आया है घटना के बाद कार में सवार युवक-युवती का आपत्तिजनक नहीं बल्कि निजी व्यवहार दिखाने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं, सड़क पर हुए विवाद और मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग कार सवार युवकों और युवती के साथ विवाद करते नजर आ रहे हैं बताया गया है कि कार की टक्कर से ऑटो क्षतिग्रस्त हुआ लेकिन ऑटो चालक ने थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई पुलिस ने फिलहाल मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 2 हजार रुपए का चालान किया है पुलिस मामले से जुड़े वायरल वीडियो और घटनाक्रम की जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर सकती है।

नर्मदापुरम में कमर्शियल बिल्डिंग के गेट पर, करंट लगने की आशंका युवक की संदिग्ध मौत

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्ट्रेट के पास कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष फैजान उल हक की कमर्शियल बिल्डिंग के गेट के पास रविवार रात एक 27 वर्षीय युवक अचेत अवस्था में मिला आसपास के लोगों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया प्रारंभिक जांच में युवक की मौत बिजली का करंट लगने से होने की आशंका जताई जा रही है पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया है मृतक की पहचान सौरभ पिता घनश्याम वर्मा, निवासी कोठी बाजार, नर्मदापुरम के रूप में हुई है। बिल्डिंग में सर्विस प्रोवाइडर की दुकान संचालित करने वाले राहुल शर्मा ने बताया कि रविवार रात

करीब 10:30 बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि गेट के पास एक युवक अचेत हालत में पड़ा है। सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों की मदद से युवक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी घटना की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची एसआई वंशज श्रीवास्तव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार डॉक्टर ने प्राथमिक तौर पर करंट लगने से मृत्यु की बात बताई है हालांकि युवक गेट तक कैसे पहुंचा और उसे करंट वहीं लगा या किसी अन्य स्थान पर, इसकी जांच की जा रही है पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है एक माह में बिल्डिंग में दूसरा मौत का मामला फैजान उल हक की इसी कमर्शियल बिल्डिंग में करीब एक माह पहले भी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। 16 जुलाई को बिल्डिंग के बाथरूम में एक युवक का शव मिला था। उस समय मौके से सरकारी सिरिंज का पैक बॉक्स, इस्तेमाल की हुई सिरिंज और दवा की बोतल भी बरामद होने की जानकारी सामने आई थी लगातार दूसरी घटना सामने आने के बाद बिल्डिंग की सुरक्षा व्यवस्था और घटनाओं के परिस्थितिजन्य कारणों को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मौत के वास्तविक कारण और घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

30 फीट ऊंचाई से गिरा मजदूर, मौके पर मौत : परिजन ने गोदाम मालिक पर लगाया लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। जिले के भौंती कस्बे में सोमवार को निर्माणाधीन गोदाम पर टीनशेड लगाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया करीब 30 फीट की ऊंचाई पर काम कर रहे 35 वर्षीय मजदूर धर्मेंद्र ओझा अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गए सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। धर्मेंद्र को गिरता देख उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा उनका ममेरा भाई मनीष ओझा भी करीब 15 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया धर्मेंद्र ओझा शिवपुरी शहर की गणेश कॉलोनी के निवासी थे जबकि मनीष ओझा कोलारस के खटीक मोहल्ला में रहते हैं। दोनों भौंती कस्बे में रविंद्र जैन के निर्माणाधीन गोदाम पर टीनशेड लगाने का काम कर रहे थे धर्मेंद्र को गिरता देख मनीष ने बचाने की कोशिश की प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार हादसे के समय धर्मेंद्र करीब 30 फीट की ऊंचाई पर काम कर रहे थे।मनीष उनसे लगभग 15 फीट नीचे काम कर रहे थे इसी दौरान अचानक धर्मेंद्र का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिरने लगे धर्मेंद्र को गिरता देखकर मनीष ने उन्हें बचाने का प्रयास किया हालांकि धर्मेंद्र का वजन अधिक होने के कारण मनीष भी अपना संतुलन नहीं संभाल सके और दोनों नीचे गिर गए हादसे में धर्मेंद्र के सिर में गंभीर चोट आई जिसके चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई वहीं मनीष के पैरों में अंदरूनी चोटें आई हैं एक्स-रे जांच में फ्रैक्चर की आशंका जताई गई है।

नशे के कारोबार पर MP पुलिस का शिकंजा : एक सप्ताह में 1.26 करोड़ से ज्यादा के मादक पदार्थ और तस्करी की संपत्ति जब्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण परिवहन और तस्करी के खिलाफ प्रदेशभर में अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है पुलिस के अनुसार पिछले एक सप्ताह में विभिन्न जिलों में की गई कार्रवाई के दौरान गांजा, अफीम, डोडाचूरा और एमडी ड्रग्स सहित तस्करी में इस्तेमाल वाहन एवं अन्य सामग्री जब्त की गई इन मामलों में कुल मिलाकर 1 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ और संपत्ति जब्त की गई है आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किए गए हैं नीमच कैंट पुलिस ने 10 किलो 150 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया जब्त अफीम की अनुमानित कीमत 51

लाख रुपए बताई गई है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत और तस्करी नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है सिंगरौली के मकरोहर चौकी क्षेत्र में पुलिस ने 91 किलो 790 ग्राम गांजा, 93 लीटर अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त दो कारें जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 24.86 लाख रुपए है आगर-मालवा में 252 किलो 830 ग्राम डोडाचूरा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार हुआ मिनी ट्रक और मोबाइल सहित करीब 17.80 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई जबलपुर में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 29 किलो 866 ग्राम गांजा जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया इसकी अनुमानित कीमत करीब 14.93 लाख रुपए बताई गई है इंदौर के खजराना क्षेत्र में 100 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया। जब्त ड्रग्स की कीमत करीब 11.50 लाख रुपए बताई गई है सागर में दो कार्रवाइयों में करीब 22 किलो 628 ग्राम गांजा और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। इसके अलावा मंदसौर, गुना, हरदा और कटनी में भी गांजा व डोडाचूरा तस्करी के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी और वाहन जब्ती की कार्रवाई की गई पुलिस के अनुसार मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है तस्करी में प्रयुक्त वाहनों और अन्य संपत्तियों की जब्ती भी की जा रही है।

24 घंटे में सूरत रेलवे स्टेशन से मिलीं 4 नाबालिग बालिकाएं जीआरपी के सहयोग से पुलिस ने किया दस्तयाब

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मुरैना जिले के जौरा थाना क्षेत्र से लापता हुई चार नाबालिग बालिकाओं को 24 घंटे के भीतर सकुशल दस्तयाब कर लिया गया जौरा थाना पुलिस ने जीआरपी सूरत के सहयोग से चारों बालिकाओं को गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन से बरामद किया जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को चारों नाबालिग बालिकाएं जौरा स्थित गढ़ी स्कूल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वे शाम तक घर वापस नहीं लौटीं तो परिजनों ने स्कूल और आसपास के इलाकों में उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली इसके बाद 16 अगस्त को परिजनों की सूचना पर जौरा

थाने में गुमशुदगी का प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मुरैना धर्मराज मीना ने बालिकाओं की शीघ्र तलाश के लिए विशेष टीम गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए एसडीओपी जौरा नितिन बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी और पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर तलाश शुरू की पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ तकनीकी और मैदानी स्तर पर भी लगातार जानकारी जुटाई पुलिस टीम को मिली महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई की गई। 16 अगस्त को चारों बालिकाओं को गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन से जीआरपी के सहयोग से सकुशल दस्तयाब कर लिया गया मध्यप्रदेश पुलिस ने बताया कि नाबालिग बालक-बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलों में उनकी सुरक्षित दस्तयाबी को प्राथमिकता दी जा रही है ऐसे मामलों में पुलिस द्वारा तकनीकी संसाधनों मैदानी जांच और स्थानीय पुलिस एवं जीआरपी के समन्वय से त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

वंदे मातरम् के कथित अपमान के विरोध में नर्मदापुरम में मशाल जुलूस, भाजपा-भाजयुमो ने जताया आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के कथित अपमान के विरोध में रविवार देर शाम नर्मदापुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय से सतरास्ते तक निकाले गए इस जुलूस में बड़ी संख्या में भाजपा और युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने हाथों में मशाल लेकर जुलूस निकाला और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वंदे मातरम् के सम्मान एवं राष्ट्रभावना के समर्थन में अपना विरोध दर्ज कराया जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया भाजपा नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय गीत से जुड़ा विषय देश की भावनाओं और राष्ट्रीय गौरव से संबंधित है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को ऐसे मामलों में मर्यादा और सम्मान का परिचय देना चाहिए राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं है बल्कि यह देश के स्वतंत्रता संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा राष्ट्रीय भाव है उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे पवित्र अवसर पर इसके प्रति किसी भी प्रकार का कथित अनादर देशवासियों की भावनाओं को आहत करने वाला है उन्होंने कांग्रेस नेताओं से देश की भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। नारोलिया ने कहा कि भाजपा और युवा मोर्चा राष्ट्रभक्ति तथा राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषयों पर किसी भी प्रकार के अपमान को स्वीकार नहीं करेगा ससस भाजयुमो जिलाध्यक्ष बोले- राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषय पर राजनीति से ऊपर उठें भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा ने कहा कि 'वंदे मातरम् देश की आन, बान और शान से जुड़ा हुआ है उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भावना और देश के गौरव से जुड़े विषयों पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी राजनीतिक दलों को सम्मान और मर्यादा का परिचय देना चाहिए उन्होंने कहा कि मशाल जुलूस के माध्यम से भाजपा और भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय गीत के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है कार्यकर्ताओं ने जुलूस के दौरान राष्ट्रभावना और राष्ट्रीय गौरव के समर्थन में नारे लगाए भाजपा नेताओं ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी कार्यालय में मातरम् के कथित अनादर से जुड़ा एक वीडियो सामने आया था। इसी मामले को लेकर भाजपा देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रही है। नर्मदापुरम में भी इसी क्रम में मशाल जुलूस निकाला गया मशाल जुलूस में भाजपा जिला उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी, महामंत्री ज्योति चौरे नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पीयूष शर्मा, मनोहर बड़ानी, प्रांशु राने, गोविन्द राय, चरणजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, गोकुल पटेल, मोनिका चौकसे, सुरेश पटेल और वंदना दुबे सहित भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'वंदे मातरम् के सम्मान और राष्ट्रीय गौरव के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद कीभाजपा नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों और देश की भावनाओं का सम्मान सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

रक्षाबंधन से पहले एमसीबी में खाद्य सुरक्षा अभियान शुरू: डेयरी उत्पाद और स्ट्रीट फूड की होगी जांच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बने खाबो-बने रहिबो 2.0 सात दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान शुरू किया गया है कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम 17 से 23 अगस्त तक जिलेभर में जांच करेगी अभियान के तहत मिठाई, कन्फेक्शनरी नमकीन डेयरी उत्पाद, होटल-रेस्टोरेंट ढाबा और स्ट्रीट फूड प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जाएगा मिलावटी अमानक मिथ्याछाप, भ्रामक लेबलिंग वाले और असुरक्षित खाद्य पदार्थ मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी पहले चरण में शहरी क्षेत्र के थोक खाद्य एवं मिठाई बाजारों की विशेष जांच होगी मिठाई विक्रेताओं वितरकों और आपूर्तिकर्ताओं के बिल सप्लायर विवरण तथा सामग्री की जांच की जाएगी दूध से बनी मिठाई के नाम पर वनस्पति तेल वनस्पति वसा या अन्य गैर-दुग्ध घटकों के इस्तेमाल की भी जांच होगी बिना लेबल या भ्रामक नाम वाली मिठाइयों पर विशेष निगरानी रहेगी स्थायी मिठाई दुकानों ग्रामीण बाजारों और साप्ताहिक बाजारों में भी जांच की जाएगी संदिग्ध खाद्य पदार्थ मिलने पर नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जाएंगे तथा बिलों के आधार पर निर्माता और सप्लायर तक Source Tracing की जाएगी प्रशासन ने खाद्य कारोबारियों से स्वच्छता और वैध अभिलेख बनाए रखने तथा नागरिकों से संदिग्ध खाद्य पदार्थों के प्रति सजग रहने की अपील की है अभियान का उद्देश्य कार्रवाई के साथ सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता बढ़ना भी है।

खंडवा में जिलाबदर बदमाश सलीम उर्फ लंगड़ा गिरफ्तार

पुलिस ने चेकिंग के दौरान घुमते हुए पकड़ा, 31 केस, 16 बार एक्शन ले चुका प्रशासन

खंडवामीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खंडवा जिले में सूचीबद्ध गुंडा बदमाशों और जिलाबदर किए गए आरोपियों की गतिविधियों पर पुलिस लगातार नजर रख रही है। इसी अभियान के तहत मोघट पुलिस ने जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने वाले बदमाश सलीम उर्फ लंगड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक सलीम को 2 जुलाई 2026 से एक साल के लिए जिलाबदर किया गया था, लेकिन इसके बावजूद वह खंडवा शहर में घूमता मिला। चेकिंग के दौरान पुलिस ने उसे पकड़ा और न्यायालय में पेश किया।

● चेकिंग के दौरान शहर में मिला जिलाबदर बदमाश

टीआई विकास खिंची के अनुसार थाना क्षेत्र में पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सलीम उर्फ लंगड़ा पिता जाहिद उर्फ जावेद, निवासी बापू नगर की गतिविधियां संदिग्ध नजर आई। पुलिस ने उसके संबंध में जानकारी जुटाई और जिलाबदर आदेश की जांच की। इसमें सामने आया कि उसे एक साल के लिए जिले से बाहर रहने का आदेश दिया गया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

● जिलाबदर आदेश का उल्लंघन, कोर्ट में पेश

पुलिस ने सलीम के खिलाफ जिलाबदर आदेश के उल्लंघन का प्रकरण दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि जिलाबदर बदमाशों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि वे आदेश का उल्लंघन कर जिले में वापस आकर किसी आपराधिक गतिविधि को अंजाम न दे सकें।

● सलीम पर पहले से 31 मामले दर्ज

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सलीम उर्फ लंगड़ा के खिलाफ झगड़ा, मारपीट, सट्टा और जुआ सहित कुल 31 अपराध दर्ज हैं। उसके खिलाफ पूर्व में 16 बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है। आपराधिक गतिविधियों में लगातार संलिप्तता और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए उसके खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई की गई थी।

● जिलाबदर बदमाशों पर पुलिस की नजर

खंडवा पुलिस ने सूचीबद्ध गुंडा बदमाशों और जिलाबदर आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए थाना स्तर पर लगातार चेकिंग अभियान शुरू किया है। पुलिस के मुताबिक जिलाबदर व्यक्ति के जिले में पाए जाने पर उसके खिलाफ नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

नागपंचमी पर घर में घुसा 3 फीट लंबा कोबरा, पलंगपेटी के नीचे छिपा बैठा था, फुफकारने की आवाज सुन परिवार के लोगों ने देखा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के बड़तूमा इलाके में नाग पंचमी के दिन एक मकान में करीब तीन फीट लंबा कोबरा सांप घुस गया। कमरे से फुफकारने की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य वहां पहुंचे तो पलंग पेटी के पास सांप दिखाई दिया। लोगों की आहट सुनकर सांप पलंग पेटी के नीचे छिप गया। परिवार ने तत्काल स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी, जिन्होंने करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद सांप का रेस्क्यू कर लिया।

फुफकारने की आवाज सुनकर कमरे में पहुंचे परिजनः बड़तूमा निवासी अंकित यादव सोमवार सुबह परिवार के साथ घर में थे। इसी दौरान घर के एक कमरे से अजीब आवाज सुनाई दी। परिवार के सदस्य कमरे में पहुंचे तो पलंग पेटी के पास सांप नजर आया। सांप को देखकर परिजनों में हड़कंप मच गया। लोगों की आहट मिलते ही सांप पलंग पेटी के नीचे जाकर छिप गया।

15 मिनट की मशक्कत के बाद पकड़ा सांपः सांप की सूचना मिलने पर स्नेक कैचर बबलू पवार मौके पर पहुंचे। उन्होंने सावधानी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ लिया गया। स्नेक कैचर के मुताबिक पकड़ा गया सांप कोबरा प्रजाति का है और उसकी लंबाई करीब तीन फीट है।

बारिश में घरों की ओर पहुंच रहे जीव-जंतुः स्नेक कैचर बबलू पवार ने बताया कि बारिश के कारण सांपों और अन्य जीव-जंतुओं के बिलों में पानी भर जाता है। ऐसे में वे सुरक्षित और सूखे स्थान की तलाश में घरों और आबादी वाले क्षेत्रों की ओर पहुंच रहे हैं। उन्होंने लोगों से घर के आसपास साफ-सफाई रखने और अंधेरे में बाहर निकलते समय पर्याप्त रोशनी का इस्तेमाल करने की अपील की।

प्रदेश में उर्वरक उपलब्धता पर्याप्त, उर्वरक वितरण अब अभियान के रूप में हर किसान को अग्रिम के रूप में देने की योजना

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। किसानों को सुगमता से उर्वरक वितरण को ध्यान में रखकर भारत सरकार के ifms पोर्टल एवं प्रदेश के उर्वरक विक्रेता (रिटेलर) के स्टॉक का Reconciliation (मिलान) करने के लिये 14 अगस्त की शाम 7.00 बजे से उर्वरक विक्रय 15 एवं 16 अगस्त को अवकाश के दिनों मे बंद किया गया हैं, मिलान का कार्य तेजी से किया जा रहा हैं, जो 16 अगस्त की शाम तक पूरा हो जाएगा तथा सोमवार 17 अगस्त से खाद का वितरण प्रारंभ हो जाएगा, किसानों को असुविधा नहीं होगी, आगामी 17 अगस्त से जितनी खाद चाहिए उतनी मिल सकेगी। साथ ही, आगामी 20 अगस्त से हर किसान हर घर, हर खेत खाद अभियान भी प्रारम्भ हो रहा है, जिससे रबी की खाद इसी माह से किसानों को मिलना प्रारम्भ हो जायेगी। सचिव कृषि श्री निशांत वरवड़े ने बताया कि प्रदेश में रासायनिक उर्वरको का पर्याप्त भंडारण है, 1 अप्रेल से अभी तक यूरिया की कुल उपलब्धता 17.04 लाख मीट्रिक टन थी, जिसमें से 12.83 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उठाव किसानों द्वारा किया गया हैं, वर्तमान में 4.21 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता हैं, जबकि विगत वर्ष इसी समय यूरिया की उपलब्धता 1.60 लाख मीट्रिक टन थी। प्रदेश में 1 अप्रेल से अभी तक डीएपी एवं एनपीके की कुल उपलब्धता 11.20 लाख मीट्रिक टन थी, जिसमें से 7.09 लाख मीट्रिक टन का उठाव किसानों द्वारा किया गया हैं, वर्तमान में 4.10 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता हैं, जबकि विगत वर्ष इसी समय डीएपी + एनपीके की उपलब्धता 3.00 लाख मीट्रिक टन थी। प्रदेश में 1 अप्रेल से अभी तक एसएसपी की कुल उपलब्धता 6.78 लाख मीट्रिक टन थी, जिसमें से 3.61 लाख मीट्रिक टन का उठाव किसानों द्वारा किया गया हैं, वर्तमान में 3.17 लाख मीट्रिक टन एसएसपी की उपलब्धता हैं।

पुलिस लाइन में बच्चों के लिए बना 'कणिक बाल उद्यान'

रतलाम में आईजी ने किया शुभारंभ, बोले- पुलिसकर्मी परिवार से दूर रहकर करते है सेवा

रतलाम,एजेंसी। पुलिसकर्मियों के परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रतलाम पुलिस द्वारा पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए बाल उद्यान तैयार किया है। इसका नाम 'कणिक बाल उद्यान' रखा है। रतलाम आए उज्जैन आईजी राकेश गुप्ता ने इसका शुभारंभ किया।

रविवार को बाल उद्यान का शुभारंभ करते हुए आईजी ने परिसर का अवलोकन किया। पुलिस परिवार के बच्चों के लिए विकसित की गई सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने पुलिस वेलफेयर की दृष्टि से इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान लंबे समय तक घर एवं परिवार से दूर रहकर सेवा करते हैं। ऐसे में पुलिस परिवारों, विशेषकर बच्चों के लिए बेहतर एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस कल्याण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सकारात्मक मिलेगा वातारणः एसपी अमित कुमार ने बताया पुलिस लाइन परिसर में निर्मित कणिक बाल उद्यान का उद्देश्य पुलिस परिवार के बच्चों को खेल-कूद, मनोरंजन एवं स्वस्थ गतिविधियों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है।

बाल उद्यान में बच्चों की आयु एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मनोरंजन एवं खेल गतिविधियों के लिए उपयुक्त व्यवस्थाएं विकसित की हैं। पुलिस परिवारों के बच्चों को अपने ही परिसर में सुरक्षित वातावरण में समय बिताने, खेलकूद करने तथा आपसी मेल-जोल बढ़ाने का अवसर मिलेगा। साथ ही यह पहल बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए भी उपयोगी साबित होगी। इस दौरान रतलाम रेंज डीआईजी निमिष अग्रवाल, एसपी कुमार, एएसपी विवेक कुमार लाल, रक्षित निरीक्षक मोहन भर्रावत समेत पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सागर में ढाबे से 15 लीटर कच्ची शराब जब्त, मुखबिर से सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने सागर ढाबा पर दबिश देकर 16 अगस्त की रात 15 लीटर अमानक कच्ची शराब जब्त की। पुलिस ने मौके से 20 वर्षीय अमन तिवारी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई गल्ला मंडी चौराहे के आगे खुरई रोड स्थित ढाबे पर की गई। पुलिस के अनुसार, रात में मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढाबे पर अमानक कच्ची शराब बेची जा रही है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ढाबे के कमरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान सफेद रंग के कुप्पे में तरल पदार्थ मिला। पुलिस के अनुसार, पदार्थ मटमैला और दुर्गंधयुक्त था। प्रथम दृष्टया यह मानव जीवन के लिए विषैला हो सकने वाला पाया गया।

मध्य प्रदेश के 30 सरकारी स्कूलों में खाद्य साक्षरता को बढ़ावा देने की पहल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। मध्य प्रदेश के छतरपुर ज़िले के 30 सरकारी स्कूलों में फ़ूड लिटरेसी (खाद्य शिक्षा या साक्षरता) को बढ़ावा देने के लिए राजनगर और बिजावर ब्लॉक में दो टीचर-ट्रेनिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया इस वर्कशॉप में शिक्षकों को ऐसे व्यावहारिक खाद्य जागरूकता मॉड्यूल, खेल और कक्षा में उपयोग होने वाले टूल्स से लैस किया गया है, जिनमें पोषण, स्वच्छता, स्वस्थ आदतें और टिकाऊ खाद्य व्यवस्था जैसे विषय शामिल हैं यह पहल GI, नॉरिशिंग स्कूल्स फ़ाउंडेशन और स्थानीय सहयोगियों को एक साथ लाती है ताकि भोजन और पोषण से जुड़ी शिक्षा को रोज़ाना की क्लासरूम की पढ़ाई में शामिल किया जा सके अगस्त 2026, छतरपुर, मध्य प्रदेशः 'नॉरिशिंग स्कूल्स फ़ाउंडेशन' ने हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर ज़िले में 'फ़ूड लिटरेसी प्रोजेक्ट'' के तहत दो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाओं (टीचर ट्रेनिंग वर्कशॉप) को सहयोग किया। इस पहल का उद्देश्य स्कूलों में व्यावहारिक और गतिविधि-आधारित शिक्षा के माध्यम से बच्चों को भोजन से सम्बंधित आदतों के बारे में अच्छे और सोच-समझकर फैसले लेने के लिए तैयार करना है 'फ़ूड लिटरेसी प्रोजेक्ट' को 'नॉरिशिंग स्कूल्स फ़ाउंडेशन' ने 'फ़ूड फ्यूचर फ़ाउंडेशन', 'दर्शना महिला कल्याण समिति' और 'कोएलिशन फ़ॉर फ़ूड सिस्टम्स ट्रांसफ़ॉर्मेशन इन इंडिया' के साथ मिलकर शुरू किया गया है इस प्रोजेक्ट को 'ट्रांसफ़ॉर्मेशन ऑफ़ फ़ूड सिस्टम्स' नामक वैश्विक प्रोग्राम का समर्थन प्राप्त है। यह प्रोग्राम जर्मनी के फ़ेडरल मिनिस्ट्री फ़ॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (BMZ) की ओर से ड्यूश गेसेलशाफ़्ट फ्यूर इंटरनेशनल जुसामेनारबिट (GIZ) Gmb द्वारा लागू किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत 7 अगस्त को राजनगर ब्लॉक और 11 अगस्त को बिजावर ब्लॉक में शिक्षकों के लिए एक-एक दिन की ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित की गई इन वर्कशॉप में भाग लेने वाले स्कूलों के शिक्षकों को ऐसे प्रैक्टिकल तरीके और साधन सिखाए गए, जिनसे वे शैक्षिक सत्र के दौरान पोषण (न्यूट्रिशन), साफ़-सफ़ाई, स्वस्थ आदतों और टिकाऊ खाद्य व्यवस्था (सस्टेनेबल फ़ूड सिस्टम) पर छात्रों को कक्षा में रोचक तरीके से पढ़ा सकें।

विदिशा के अनुपम मेगा सिटी में 87 लीटर शराब जब्त

पुलिस ने डेढ़ लाख रुपए की अंग्रेजी शराब पकड़ी, दो आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अनुपम मेगा सिटी में दबिश देकर करीब 87 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान शराब से जुड़े दो आरोपी मौके से फरार मिले, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दी दबिशः पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अनुपम मेगा सिटी में बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब रखी गई है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी आनंद राज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली।

अलग-अलग ब्रांड की शराब मिलीः पुलिस की तलाशी के दौरान मौके से विभिन्न ब्रांडों की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने करीब 87 लीटर शराब जब्त कर ली। जब्त शराब की कीमत लगभग 1.50 लाख रुपए आंकी गई है। दो आरोपियों की तलाश जारी पुलिस के अनुसार जब्त शराब सागर खटीक और शिवम सिसोदिया की बताई जा रही है। दोनों आरोपी कार्रवाई के दौरान मौके पर नहीं मिले और फरार हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

अवैध शराब कारोबारियों पर जारी रहेगी कार्रवाईः थाना प्रभारी आनंद राज ने बताया कि जिले में अवैध शराब की बिक्री और भंडारण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

वंदे मातरम् विवाद पर नर्मदापुरम में भाजपा का मशाल जुलूस

कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी, निकला मार्च, कथित अनादर पर जताया विरोध

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के अपमान के विरोध में नर्मदापुरम में भारतीय जनता पार्टी संगठन और युवा मोर्चा ने मशाल जुलूस निकालकर विरोध जताया।

रविवार देर शाम को भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय से सतरास्ते तक मशाल जुलूस निकाला गया। मशाल जुलूस में बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यकर्ताओं ने हाथों में मशाल लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और 'वंदे मातरम' के सम्मान एवं राष्ट्रभावना के समर्थन में अपना विरोध दर्ज कराया। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा राष्ट्रीय भाव है। स्वतंत्रता दिवस जैसे पवित्र अवसर पर इसके प्रति किसी भी प्रकार का कथित अनादर देशवासियों की भावनाओं को आहत करने वाला है।

कहा- 'वंदे मातरम' आन, बान और शानः कांग्रेस नेताओं को देश की भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी और युवा मोर्चा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषयों पर किसी भी प्रकार के अपमान को स्वीकार नहीं करेगा।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक महालहा ने कहा कि 'वंदे मातरम' देश की आन, बान और शान से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भावना और देश के गौरव से जुड़े विषयों पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी राजनीतिक दलों को सम्मान और मर्यादा का परिचय देना चाहिए।

▶▶ नई दिल्ली का वीडियो सामने आया था

बता दें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नई दिल्ली स्थित ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी कार्यालय में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के कथित अनादर और अपमान का एक वीडियो सामने आया। जिससे देशभर में भाजपा इसे मुद्दा बनाकर प्रदर्शन कर रही है। मशाल जुलूस के दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी, महामंत्री ज्योति चौरे , नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पीयूष शर्मा, मनोहर बड़ानी, प्रांशु राने , गोविन्द राय, चरणजीत सिंह , मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, गोकुल पटेल , मोनिका चौकसे, सुरेश पटेल, वंदना दुबे सहित भाजपा एवं भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

10 किलो से अधिक 51 लाख की अफीम पकड़ी

नीमच में जोधपुर का तस्कर बस स्टैंड से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच कैंट पुलिस ने बस स्टैंड से राजस्थान जा रहे एक तस्कर को दबोचकर उसके पास से 10 किलो 150 ग्राम अवैध अफीम जब्त की है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 51 लाख रुपए बताई जा रही है। एसपी राजेश व्यास ने सोमवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस कार्रवाई का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि 16 अगस्त को सब-इंस्पेक्टर जाकिर हुसैन मंसूरी को खबर मिली थी कि राजस्थान के जोधपुर का एक युवक अफीम लेकर बस के इंतजार में नीमच बस स्टैंड पर खड़ा है। पुलिस टीम ने तुरंत दबिश देकर उसे पकड़ा।

बैग से मिली 4 थैलियां अफीमः जब आरोपी के बैग की तलाशी ली गई तो उसमें 4 अलग-अलग थैलियों में 10.150 किलो अफीम मिली। पकड़ा गया आरोपी सुमेर राम विश्नोई (43 वर्ष) जोधपुर (राजस्थान) के झंवर थाने के देलू मनाड़ा की ढाणी का रहने वाला है।

एनडीपीएस एक्ट में केस दर्जः पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अब उससे सख्ती से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अफीम कहां से लाई गई थी और राजस्थान में किसे सप्लाई होनी थी।

30 टेस्ट, 30 अलग मैदान, यशस्वी जायसवाल ने सचिन और मांजरेकर के खास क्लब में बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने मैदान पर उतरते ही एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गाले टेस्ट उनके टेस्ट करियर का 30वां मुकाबला है और दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने शुरुआती सभी 30 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले हैं। इसी के साथ जायसवाल ने भारत के उन चुनिंदा बल्लेबाजों के क्लब में जगह बना ली, जिसमें सचिन तेंदुलकर और संजय मांजरेकर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

30 टेस्ट, 30 अलग-अलग वेन्यू: यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत से लेकर 30वें मुकाबले तक किसी भी वेन्यू पर दोबारा टेस्ट नहीं खेला है। उनके सभी 30 टेस्ट अलग-अलग स्टेडियम में हुए हैं। इस उपलब्धि के साथ जायसवाल भारत के तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के शुरुआती मुकाबले इतने अलग-अलग मैदानों पर खेले। उनसे पहले संजय मांजरेकर ने लगातार 33 टेस्ट और सचिन तेंदुलकर ने लगातार 32 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे।

गाले में 32 रन बनाकर हुए रन आउट: गाले टेस्ट में टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने केएल राहुल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए अच्छी साझेदारी बन रही थी, लेकिन 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से जायसवाल रन आउट हो गए। एक रन लेने के प्रयास में फील्डर केशाना नुवंथा से टकराने के बाद जायसवाल फिसल गए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुंच गए और जायसवाल को अपना विकेट गंवाना पड़ा। वह 32 रन बनाकर आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह जायसवाल के करियर का तीसरा रन आउट था।

राहुल और पडिक्कल ने संभाली पारी: जायसवाल के आउट होने के बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए शानदार 162 रनों की साझेदारी की। राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 82 रन बनाए, जबकि पडिक्कल ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक खेली।

पडिक्कल ने जड़ा पहला टेस्ट शतक: देवदत्त पडिक्कल ने गाले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया। उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए 167 रन की मैराथन पारी खेली। पडिक्कल ने लाहिरू कुमारा के ओवर में लगातार दो चौके लगाकर सिर्फ 134 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उनकी इस पारी ने भारतीय पारी को मजबूत आधार दिया।

नंबर-3 पर शतक लगाने वाले खास भारतीय बने पडिक्कल: पडिक्कल ने नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए सितंबर 2024 के बाद शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनने की उपलब्धि भी हासिल की। उनकी 167 रन की पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा किया और श्रीलंका पर दबाव बनाने में कामयाब रहा।

भारत ने पहली पारी में बनाए 462 रन: भारतीय टीम की पहली पारी 462 रन पर समाप्त हुई। टीम इंडिया ने गाले टेस्ट में शुरुआत से ही अपनी पकड़ मजबूत रखी। पडिक्कल के शानदार शतक के अलावा केएल राहुल की 82 रन की पारी निभाई।

बांग्लादेश से शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर मंडराया दोहारा खतरा

डार्विन (एजेंसी)। बांग्लादेश के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के बाद अब पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पर आईसीसी के स्लो ओवर-रेट नियमों के उल्लंघन का खतरा मंडरा रहा है। तीसरे दिन के खेल के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 90 ओवरों के मुकाबले महज 86 ओवर ही फेंक सकी थी। हालांकि यह मैच चौथे दिन ही खत्म हो गया, लेकिन नियम के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया पर ओवर-रेट पेनल्टी और भारी जुर्माने की तलवार लटक रही है।

मैच फीस पर कटौती: आईसीसी के नियमों के तहत, निर्धारित समय से कम ओवर फेंकने पर प्रति ओवर 5 प्रतिशत मैच फीस काटने का प्रावधान है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की औसतन प्रति टेस्ट फीस लगभग 20,000 डॉलर मानी जाती है। ऐसे में 4 ओवर कम फेंकने के चलते पूरी प्लेइंग इलेवन पर संयुक्त रूप से 44,000 डॉलर (लगभग 4,000 प्रति खिलाड़ी) का जुर्माना लगाया जा सकता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर साइमन कैटिच ने भी इस धीमी ओवर-गति पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद निराशाजनक करार दिया है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नुकसान का डर: ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा झटका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में लग सकता है। फिलहाल 84 अंकों और 77.78त्न पॉइंट्स परसेंटेज के साथ टॉप पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया को अगर 4 अंकों की पेनल्टी मिलती है, तो उनके अंक घटकर 80 रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई फैंस के लिए यह स्थिति बेहद दर्दनाक हो सकती है, क्योंकि डब्ल्यूटीसी 2019-2021 साइकल में भी 2020 के भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्लो ओवर-रेट के कारण कटे 4 अंकों की वजह से ही टीम इंडिया से पीछे रहकर फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी।

डार्विन की भीषण गर्मी बन सकती है बचाव का जरिया: हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह दोषी ठहराए जाने से पहले मैच रेफरी का अंतिम फैसला आना बाकी है। माना जा रहा है कि डार्विन में पड़ी गर्मी और उमस को एक राहत देने वाले कारक के रूप में देखा जा सकता है। वैसे ओवर-रेट के मामले में सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश की टीम भी धीमी रही थी जिसने साढ़े छह घंटे के खेल में केवल 77 ओवर फेंके थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि आईसीसी मैच रेफरी डार्विन के मौसम को ढाल मानते हैं या कमिंस की सेना पर सख्त रुख अपनाते हैं।

60 एक्स्ट्रा रन, 146 रन की पार्टनरशिप भी हो

केएल राहुल की एक गलती भारत को इतनी भारी पड़ गई, नहीं थी ऐसी उमीद

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका के स्टार मिडल ऑर्डर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की 80 रन की शानदार पारी ने गॉल टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ा दीं। लेकिन इस मजबूत पारी की नींव केएल राहुल के एक बेहद आसान कैच टपकाने से पड़ी थी। केएल राहुल ने इस मैच में डिकवेला का कैच एक ऐसे समय पर छोड़ दिया जब वे हाफ सेंचुरी तक भी नहीं पहुंचे थे। जिसके चलते टीम इंडिया को एक बड़ा नुकसान चुकाना पड़ा।

केएल राहुल की एक गलती पड़ी भारी: मैच के उस मोड़ पर भारत का पलड़ा पूरी तरह भारी था क्योंकि श्रीलंका की आधी टीम महज 90 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। भारत के पास निचले क्रम को जल्द समेटकर शिकंजा कसने की पूरी गुंजाइश थी। 36वें ओवर में स्पिनर मानव सुथार की गेंद पर डिकवेला ने कट करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर सीधे फर्स्ट स्लिप में खड़े केएल राहुल के पास गई। 20 रन पर खेल रहे डिकवेला का यह आसान कैच हाथ से छूटते ही पूरी भारतीय टीम और गेंदबाज निराश हो गए। 146 रन की हुई पार्टनरशिपइस मिले जीवनदान का डिकवेला ने पूरा फायदा उठाया और सोनल दिनुषा के साथ मिलकर 146 रनों की बड़ी साझेदारी रच डाली। इस साझेदारी ने न सिर्फ श्रीलंका को संकट से बाहर निकाला बल्कि भारत के हाथों से मैच का नियंत्रण भी छीन लिया। डिकवेला ने 115 गेंदों का सामना करते हुए 80 रनों का बेहतरीन योगदान दिया और अपना अर्धशतक पूरा करके भारतीय गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया।

टीम इंडिया लगातार कर रही गलती: कैच टपकाने की यह बीमारी भारतीय टीम के साथ पिछले कुछ समय से लगातार बनी हुई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले तीन महीनों में भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग सीरीज में कुल 28 कैच छोड़े हैं जिसमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 10, आयरलैंड के खिलाफ 6, इंग्लैंड के खिलाफ 7 और अफगानिस्तान के खिलाफ 5 कैच शामिल हैं। बल्लेबाजी में अच्छा योगदान देने के बावजूद फील्डिंग में ऐसी बचकाना गलती के कारण फैंस केएल राहुल और टीम मैनेजमेंट से बेहद खफा हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें भारी ट्रोलिंग का सामना है।

पीवी सिंधु विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ एक मेडल दूर विश्व चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने 6वांमेडल जीतने के लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में 17 साल बाद बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट की मेजबानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के पास है। टूर्नामेंट की शुरुआत हो गई है। सिंधु के नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5 मेडल हैं और वह रिकॉर्ड छठा मेडल जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी। 23 अगस्त को सभी 5 कैटेगरी के फाइनल होंगे। इसमें पुरुष सिंगल्स, पुरुष डबल्स, महिला सिंगल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स शामिल हैं।

पीवी सिंधु के पास इतिहास बचने का मौका: महिला सिंगल्स में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु भी उतरेंगी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु पहले राउंड में आज आयरलैंड की सोफिया नोबल का सामना करेंगी। 2019 की चैंपियन सिंधु के पास इस टूर्नामेंट में 5 मेडल हैं। 2019 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा 2017 और 2018 में सिल्वर जबकि 2013 और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सिंधु के पास विश्व चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है।

रविंद्र जडेजा के 350 विकेट पूरे, एक-दो नहीं बनाए तीन बड़े रिकॉर्ड

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे हो गए हैं। इसी के साथ ही यह भारतीय ऑलराउंडर लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाला तीसरा खिलाड़ी बन गया है। इसी के साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे करने वाले और 350 विकेट तथा 4000 टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। जडेजा ने केशरा नुवानथा को आउट करके 350 विकेट पूरे किए। लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में रंगना हेराथ पहले स्थान पर हैं जिन्होंने 433 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर 362 विकेट के साथ डैनियल विटोरी है। इसके बाद अब 350 टेस्ट विकेट्स के साथ जडेजा हैं। चौथे स्थान पर डेरेक अंडरवुड और पांचवें पर तैजुल इस्लाम हैं जिन्होंने लेफ्ट-आर्म स्पिनर के तौर पर क्रमशः 297 और 271 विकेट झटके हैं।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट: 433 - रंगना हेराथ 362 - डैनियल विटोरी 350* - रवींद्र जडेजा 297 - डेरेक अंडरवु 271 - तैजुल इस्लाम कम से कम 125 टेस्ट विकेट लेने वाले सभी लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में, सिर्फ केशव महाराज का स्ट्राइक-रेट (56.4) जडेजा के 58.1 से बेहतर है। टेस्ट क्रिकेट में 350 और उससे अधिक विकेट लेने वाले भारतीय अनिल कुंबले - 619 रविचंद्रन अश्विन - 537 कपिल देव - 434 हरभजन सिंह - 417 इस फॉर्मेट में केवल दो अन्य भारतीयों ने 300 से ज्यादा विकेट लिए हैं जिसमें इशांत शर्मा और जहीर खान (दोनों के 311 विकेट) शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

भारतीय जोड़ी अर्जुन-हरिहरन ने राउंड ऑफ-32 में बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने घरेलू सरजमीं पर हो रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपना खाता खोला। पुरुष डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन की भारतीय जोड़ी ने पहले दौर का मुकाबला जीतकर राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स चोट के कारण मुकाबला पूरा नहीं कर सके।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी का दबदबा: इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जुन और हरिहरन ने शुरुआत से ही शानदार नियंत्रण बनाए रखा। आयरिश जोड़ी ने कुछ मौकों पर भारतीय खिलाड़ियों को चुनौती जरूर दी, लेकिन अहम रैलियों में भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा। अर्जुन और हरिहरन ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त, फिर आयरिश जोड़ी ने छोड़ा मैच: पहला गेम जीतने के बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय जारी रखी। अर्जुन और हरिहरन ने दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, इसके बाद आयरिश जोड़ी चोट की वजह से आगे नहीं खेल सकी और मुकाबला रोकना पड़ा। इस तरह भारतीय जोड़ी को वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत मिल गई और वह पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई।

पहला गेम रहा रोमांचक: पहले गेम में स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स ने भारतीय जोड़ी को आसानी से आगे नहीं बढ़ने दिया। दोनों टीमें कई रैलियों में बराबरी पर रहीं, लेकिन निर्णायक मौकों पर अर्जुन और हरिहरन ने बेहतर खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों ने मौके का फायदा उठाते हुए गेम को 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने शुरुआत में बढ़त बनाकर अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी।

17 साल बाद भारत में हो रही वर्ल्ड चैंपियनशिप: 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है। वर्ल्ड चैंपियनशिप 17 साल के अंतराल के बाद

भारत लौटी है। इससे पहले 2009 में भारत ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय खिलाड़ियों से इस बार शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है और अर्जुन-हरिहरन की जीत ने अभियान की सकारात्मक शुरुआत कर दी है। अब अगले प्रतिद्वंद्वी का इंतजार पहले दौर में जीत हासिल करने के बाद अर्जुन और हरिहरन की नजरें अब राउंड ऑफ-32 के मुकाबले पर हैं।

भारतीय जोड़ी अपने अगले मुकाबले में भी इसी लय को बरकरार रखना

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंक हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी

एमस्टेलवीन (एजेंसी)। चीन के साथ कड़े मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद अपनी पहली जीत की उम्मीद में भारतीय महिला टीम कल एफआईएच वर्ल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने दूसरे पूल डी मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। भारत ने चीन के खिलाफ अच्छी शुरुआत की, जिसमें नवनीत और दीपिका ने गोल करके अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। चीन ने दो बार वापसी करते हुए बराबरी की, लेकिन भारत की अनुशासित रक्षापंक्ति और लड़ने के जज्बे ने उन्हें टूर्नामेंट की प्रमुख टीमों में से एक के खिलाफ एक अहम अंक दिलाने में मदद की। इस नतीजे से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच से पहले भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा, साथ ही यह भी पता चलेगा कि अपनी सकारात्मक लय को तीन अंक में बदलना कितना जरूरी है। वहीं,

दक्षिण अफ्रीका अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 4-0 से हारने के बाद वापसी करने के लिए उत्सुक होगा। इंग्लैंड अभी पूल में सबसे आगे है, जबकि भारत और चीन पहले दिन ड्रॉ खेलने के बाद अंक के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के पहले चरण से हर पूल की शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, इसलिए हर अंक बहुत अहम हो जाता है। भारत इस मुकाबले में यह जानते हुए उतरेगा कि जीत से उनके क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को बड़ा बढ़ावा मिल सकता है। भारतीय टीम के मुख्य को मारिजने ने कहा, हम कैलकुलेशन या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए खुद पर और अपनी खूबियों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। हमने (चीन के खिलाफ) मौके बनाए। यह बहुत सकारात्मक बात थी। मुझे लगता है कि डिफेंस के मामले में हम बहुत मजबूत थे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है।

बॉल जीतना और बॉल को अपने पास रखना। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे चीजों को हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है। इसलिए हमें उसके लिए तैयार रहना होगा। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वे चीन के खिलाफ दिखाई गई तीव्रता और संयम को बनाए रखें और साथ ही अटैकिंग थर्ड में और अधिक सटीक खेलें। टूर्नामेंट की शुरुआत में नवनीत और दीपिका की फॉर्म आत्मविश्वास का बड़ा स्रोत होगी, जबकि दबाव झेलने की टीम की क्षमता का फिर से परीक्षण किया जाएगा। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका अपनी शुरुआती हार के बाद मजबूत वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार होगा।

भारत को एक ऐसी टीम से

अरिहा पंगंबम को वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद भी घमंड नहीं, घर आते ही माता-पिता से यूं लिया आशीर्वाद

मणिपुर (एजेंसी)। होनहार जिम्नास्ट अरिहा पंगंबम ने एशियन जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रहने के बाद अरिहा ने फाइनल डे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप स्थान हासिल किया और देश का नाम रोशन किया।

चौथे-पांचवें स्थान से तय किया गोल्ड तक का सफर: अरिहा के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। इससे पहले भी एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर वह चौथे और पांचवें स्थान पर रह चुकी थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पिछली नाकामियों से सीख लेकर उन्होंने ठान लिया था कि वह अगली चैंपियनशिप से देश के लिए मेडल लेकर ही लौटेंगी और आखिरकार उनकी सालों की कड़ी मेहनत रंग लाई।

जीत के बाद सादगी ने जीता दिल, माता-पिता के पैर छूकर लिया आशीर्वाद: गोल्ड मेडल जीतकर जब अरिहा पंगंबम अपने घर पहुंचीं, तो उन्होंने एक ऐसा काम किया जिसने हर भारतीय का दिल जीत लिया। देश का नाम रोशन कर लौटीं अरिहा ने सबसे पहले झुककर अपने माता-पिता के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर उनके इस खूबसूरत पल का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

संस्कारों की मिसाल बनीं अरिहा, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो: इतने बड़े इंटरनेशनल लेवल पर गोल्ड मेडल जीतने के बावजूद अरिहा की यह सादगी, नम्रता और भारतीय संस्कार यह स्पष्ट दर्शाते हैं कि उन्हें अपने माता-पिता से कितने उत्तम और महान संस्कार मिले हैं। उनका यह वीडियो न केवल खेल प्रेमियों को बल्कि हर देशवासी को प्रेरित कर रहा है ।

छात्रहित में लिया गया फैसला-मंत्री श्री टंक राम वर्मा

छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में बढ़ा दाखिले का दायरा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में बढ़ा दाखिले का दायरा उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का मूल ध्येय प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा का प्रकाश पहुँचाना है। दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के कई मेधावी युवा विभिन्न व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण समय पर प्रवेश नहीं ले सके थे। हम नहीं चाहते कि तिथियों के फेर में किसी भी योग्य विद्यार्थी का एक साल खराब हो या वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाए। छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए प्रवेश की तारीख 31 अगस्त तक बढ़ाई गई है। मैं सभी विद्यार्थियों से अपील करता हूँ कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। राज्य के जिन शासकीय और निजी महाविद्यालयों में अभी भी सीटें रिक्त हैं, वहाँ छात्र अब 31 अगस्त 2026 तक दाखिला ले सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत प्राचार्य स्तर पर प्रवेश की समय सीमा 31 जुलाई तक और कुलपति की अनुमति से 14 अगस्त तक तय की गई थी। लेकिन अंतिम तिथि बीतने के बाद भी कई महाविद्यालयों में सीटें खाली रह गई थीं और दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले कई अभ्यर्थी समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए शासन ने तिथि विस्तार का यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

बस्तर की खूबसूरती ने देशभर से आए पर्यटन प्रतिनिधियों को किया मंत्रमुग्ध

बस्तर की खूबसूरती ने देशभर से आए पर्यटन

प्रतिनिधियों को किया मंत्रमुग्ध

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। चित्रकोट जलप्रपात की भव्यता, जनजातीय संस्कृति और धुड़मारास के रोमांचक अनुभव से रूबरू हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 पर्यटन प्रतिनिधि चित्रकोट जलप्रपात की भव्यता, जनजातीय संस्कृति और धुड़मारास के रोमांचक अनुभव से रूबरू हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 पर्यटन प्रतिनिधि छत्तीसगढ़ पर्यटन को देश के पर्यटन बाजार में व्यापक पहचान दिलाने और राज्य की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत से देशभर के पर्यटन प्रतिनिधियों को परिचित कराने के उद्देश्य से 10 से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित फैम टूर का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 48 पर्यटन प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें दक्षिण छत्तीसगढ़ अर्थात बस्तर क्षेत्र के भ्रमण में 30 प्रतिनिधि शामिल हुए। पांच दिवसीय भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, स्थानीय परंपराओं, साहसिक पर्यटन और आत्मीय आतिथ्य का करीब से अनुभव किया।

केशकाल घाटी से हुआ बस्तर की खूबसूरती का सफर: प्रतिनिधियों ने बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध केशकाल घाटी से बस्तर में प्रवेश किया। घने जंगलों, घुमावदार पहाड़ी मार्गों और चारों ओर फैली हरियाली के बीच से गुजरते हुए प्रतिनिधियों ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव किया। केशकाल घाटी ने उन्हें बस्तर के उस प्राकृतिक संसार की झलक दी, जहां जंगल, पहाड़ और घाटियां मिलकर अद्भुत पर्यटन अनुभव रचते हैं। प्रतिनिधियों ने विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। इंद्रावती नदी पर निर्मित यह भव्य जलप्रपात अपने विस्तृत जलप्रवाह और प्राकृतिक परिवेश के कारण प्रतिनिधियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। चित्रकोट की विशाल जलधारा और आसपास का मनोहारी प्राकृतिक दृश्य देखकर प्रतिनिधियों ने इसे अविस्मरणीय पर्यटन अनुभव बताया।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सैनिक भाइयों के लिए भेजे रक्षा सूत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4 के तहत सरगुजा से सैनिकों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ की बहनों का स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4 के तहत सरगुजा से सैनिकों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ की बहनों का स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से संचालित 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा की महिलाओं एवं स्काउट-गाइड द्वारा एकत्रित रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए रवाना किए। अंबिकापुर के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वयं रक्षा सूत्र भेजकर सैनिकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि यह लगातार चौथा वर्ष है, जब छत्तीसगढ़ की बहनों की ओर से देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं। यह अभियान प्रदेश की महिलाओं के सैनिक भाइयों के प्रति स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जब पूरा देश अपने परिवार के साथ खुशियां मनाता है, तब हमारे सैनिक भाई अपने परिवार से दूर रहकर देश की सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं। उनके त्याग और समर्पण को नमन करते हुए बहनों की ओर से भेजा गया यह रक्षा सूत्र प्रेम, सम्मान और आशीर्वाद का संदेश लेकर जवानों तक पहुंचेगा।

रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए बहनों के स्नेह का संदेश: श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि सैनिकों और देशवासियों के बीच भावनात्मक संबंध का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का किया शुभारंभ, छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई मजबूती

मुख्यमंत्री ने रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का किया शुभारंभ, छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई मजबूती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल परिसर में अत्याधुनिक रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने नई कैंसर इकाई में उपलब्ध उपचार सुविधाओं एवं अत्याधुनिक मशीनरी का अवलोकन किया तथा अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान श्री साय ने डॉ. संदीप दवे के भाई श्री प्रदीप दवे को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल पिछले 36 वर्षों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. संदीप दवे के भाई स्वर्गीय श्री प्रदीप दवे का कैंसर से निधन हुआ था। इस व्यक्तिगत पीड़ा ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ व्यापक स्तर पर काम करने का संकल्प मजबूत किया। आज उसी संकल्प का परिणाम रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आने वाले समय में हजारों-लाखों लोगों को बेहतर कैंसर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ा है। कैंसर मरीजों को अब एक ही परिसर में जांच, उपचार और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने डॉ. संदीप दवे और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की ऐसी पहल से प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में स्वास्थ्य संस्थानों के विस्तार को गति मिली और वर्तमान सरकार भी पिछले ढाई वर्षों से प्रदेश के कोने-कोने तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है।

कचरे में संभावना तलाशने वाली अर्चना की सोच राष्ट्रीय मंच तक पहुँची

पीएम श्री सेजेस धरमजयगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा अर्चना एक्का के 'ईको ब्रिक बैंक' नवाचार का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्लास्टिक कचरे को समस्या के बजाय संसाधन के रूप में देखने वाली रायगढ़ जिले की छात्रा अर्चना एक्का ने अपने नवाचार से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पीएम श्री सेजेस धरमजयगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा अर्चना के नवाचार 'ईको ब्रिक बैंक रू प्लास्टिक कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदलना' का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि उनकी रचनात्मक सोच, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और स्थानीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान तलाशने की क्षमता को दर्शाती है।

राज्य स्तरीय मंच से राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचा नवाचार: शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अर्चना ने दुर्ग स्थित छत्रपति शिवाजी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईटी) में आयोजित राज्य स्तरीय मार्गदर्शन सत्र में रायगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के समक्ष अपने नवाचार का प्रतिरूप प्रस्तुत किया। विशेषज्ञों से प्राप्त सुझावों के आधार पर परियोजना में आवश्यक सुधार किए गए। पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी वास्तविक समस्या के समाधान और परियोजना की उपयोगिता को देखते हुए 'ईको ब्रिक बैंक' का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया।

प्लास्टिक कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की पहल: अर्चना की परियोजना का उद्देश्य अनुपयोगी समझकर फेंके जाने वाले प्लास्टिक को एकत्रित कर उसका पुनः उपयोग करना और उससे टिकाऊ एवं उपयोगी उत्पाद तैयार करना है। परियोजना में प्लास्टिक कचरे से फर्नीचर सहित विभिन्न उपयोगी वस्तुओं के निर्माण की संभावनाओं पर काम किया गया है। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे के बेहतर प्रबंधन की दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है।

'ईको ब्रिक बैंक' के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के साथ ही लोगों को कचरे के पुनः उपयोग, संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार के लिए जागरूक करने का प्रयास किया गया है।

मार्गदर्शन और विद्यालय के सहयोग ने बढ़ाया आत्मविश्वास: अर्चना अपनी सफलता का श्रेय अपनी मार्गदर्शक अनामिका लहरे के निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन को देती हैं। विद्यालय के प्राचार्य हकीम उल्लाह खान और व्याख्याता रवि कुमार यादव ने भी परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। विद्यालय में विद्यार्थियों को नवाचार, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियों के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में तैयार सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने और उनके समाधान के लिए नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

कृषि केंद्रों में अनियमितता पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कृषि आदान सामग्री के विक्रय एवं अभिलेखों के संधारण की निगरानी के लिए कृषि विभाग द्वारा बेमेतरा के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नियमों का पालन नहीं करने वाले कृषि आदान विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान साहू कृषि केंद्र, भीमपुरी में बिना स्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशक का विक्रय किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित कृषि केंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से कीटनाशक के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया। इसी प्रकार वर्षा कृषि केंद्र, भीमपुरी में भी बिना स्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशक का विक्रय पाए जाने पर संबंधित विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी कर कीटनाशक विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की गई। वहीं साहू कृषि केंद्र, रूसे के निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक का नियमित रूप से संधारण नहीं किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित कृषि केंद्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त विक्रम कृषि केंद्र, मुरकुटा, आरव कृषि केंद्र, प्रतापपुर एवं श्री कृष्णा कृषि केंद्र, प्रतापपुर का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित कीटनाशक उत्पादों के नमूने लिए गए, जिन्हें नियमानुसार परीक्षण के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। कृषि विभाग ने सभी कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि कीटनाशक एवं अन्य कृषि आदान सामग्री का विक्रय शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप ही करें। साथ ही स्रोत प्रमाण पत्र, स्टॉक रजिस्टर, बिल बुक सहित सभी आवश्यक अभिलेखों का नियमित एवं नियमानुसार संधारण सुनिश्चित करें।

कभी हाथों में थी बंदूक, अब शान से लहराया तिरंगा

कभी हाथों में थी बंदूक, अब शान से लहराया तिरंगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 112 आत्मसमर्पित युवाओं ने तिरंगा थामकर दिया शांति और राष्ट्रप्रेम का संदेश कभी हिंसा के रास्ते पर चले 112 आत्मसमर्पित युवाओं ने इस स्वतंत्रता दिवस पर हाथों में तिरंगा थामकर शांति, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। सुकमा के पुनर्वास केंद्र में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में इन युवाओं ने देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बंदूक की जगह हाथों में आया तिरंगा: कभी जिन हाथों में हथियार थे, उन्हीं हाथों में आज तिरंगा था। यह बदलाव केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि सुकमा में शांति और पुनर्वास की दिशा में हो रहे सकारात्मक प्रयासों की कहानी है। आत्मसमर्पण के बाद शासन की पुनर्वास नीति के माध्यम से इन युवाओं को समाज की मुख्यधारा में लौटने और सम्मानजनक जीवन शुरू करने का अवसर मिल रहा है।

पुनर्वासित महिला ने किया ध्वजारोहण: वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस अधीक्षक श्री मयंक गुर्जर पुनर्वास केंद्र पहुंचे। उन्होंने पुनर्वासित महिला अमीला पदामी को ध्वजारोहण के लिए आमंत्रित किया। अमीला पदामी के हाथों तिरंगा फहराए जाने का क्षण सभी के लिए भावुक और प्रेरणादायी रहा। राष्ट्रगान के दौरान सभी पुनर्वासित युवाओं ने तिरंगे को सलाम कर देश के प्रति अपनी आस्था और सम्मान व्यक्त किया। एसपी श्री मयंक गुर्जर की इस संवेदनशील पहल ने पुनर्वासित युवाओं में आत्मविश्वास और अपनत्व की भावना को मजबूत किया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की।

नई राह, नई पहचान और बेहतर भविष्य: त्मसमर्पण के बाद इन युवाओं के जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई है। शासन-प्रशासन की पुनर्वास नीति उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति, रोजगार और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। सही मार्गदर्शन और सहयोग से ये युवा अब अपने परिवार और समाज के लिए बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस का यह आयोजन सुकमा में बदलते वातावरण की प्रेरक तस्वीर बना। तिरंगे की छांव में आत्मसमर्पित युवाओं का यह उत्सव बताता है कि विश्वास, अवसर और पुनर्वास के प्रयासों से हिंसा के रास्ते से लौटकर युवा शांति और विकास के सहभागी बन सकते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने किया सादर नमन

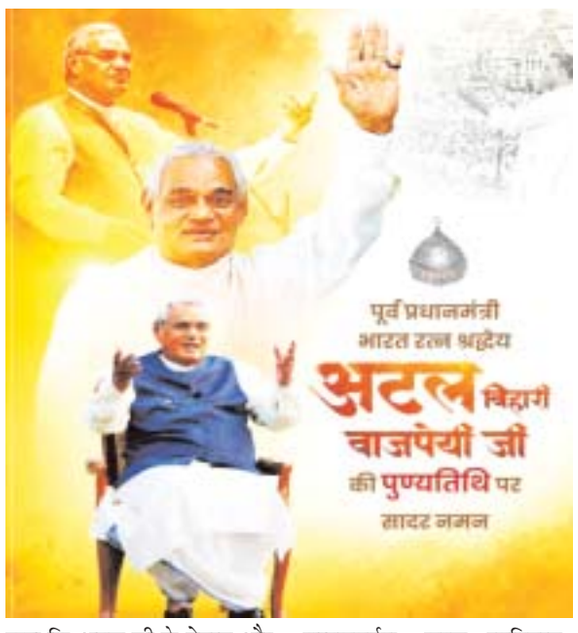

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता, नए भारत के स्वप्नदृष्टा एवं पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों, दृढ़ संकल्प और सुशासन का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने देश के विकास और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भारत को नई दिशा प्रदान की।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अटल जी के नेतृत्व में पोखरण परमाणु परीक्षण के निर्णायक कदम से भारत की रणनीतिक शक्ति को नई मजबूती मिली। साथ ही, उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढाँचे के विकास की मजबूत नींव रखी, जिसके दूरगामी परिणाम आज देश की प्रगति में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अटल जी के नेतृत्व और दूरदर्शिता से ही छत्तीसगढ़ को एक पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व मिला। छत्तीसगढ़ की जनता सदैव उनके योगदान को कृतज्ञता के साथ स्मरण करती रहेगी।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अटल जी का अटूट राष्ट्रसमर्पण, सरल व्यक्तित्व, ओजस्वी विचार और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता सदैव देशवासियों को प्रेरणा देती रहेगी। उनके आदर्शों पर चलते हुए विकसित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हीलर हर्बल गार्डन योजना से वैद्यों को मिलेगा नया संबल

● हीलर हर्बल गार्डन योजना से वैद्यों को मिलेगा नया संबल बोर्ड ● अध्यक्ष विकास मरकाम ने किया योजना का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बोर्ड अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने किया योजना का शुभारंभ बोर्ड अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने किया योजना का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधियों के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विगत 13 अगस्त को छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल के काष्ठागार में आयोजित सम्मेलन में बोर्ड अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने हीलर हर्बल गार्डन योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 48 वैद्यों को अपने घर की बाड़ी में औषधीय पौधों का उद्यान विकसित करने के लिए प्रथम किस्त का स्वीकृति पत्र वितरित किया गया।

वैद्यों ने साझा किया पारंपरिक उपचार का ज्ञान: कार्यक्रम की शुरुआत बोर्ड अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। वैद्य रामप्रसाद निषाद, सुखमन मरकाम, हीरालाल मरकाम, जेठूराम प्रधान, श्रीमती चिला पोथाम, जयनाथ मरकाम, विशाल सोरी, सकालु राम कोर्राम, मोहन नेताम और नथाराम नाग ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों और उनके उपचार में उपयोग से संबंधित अपना अनुभव साझा किया। वैद्यों ने पहचान पत्र जारी करने तथा वनौषधियों के संरक्षण में वैद्यों की भूमिका बढ़ाने का आग्रह किया।

बाड़ी में तैयार होंगे औषधीय पौधों के उद्यान: बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि हीलर हर्बल गार्डन योजना के तहत वैद्य अपनी बाड़ी में सामान्य रूप से उपयोग होने वाली वनौषधियों का छोटा उद्यान तैयार कर सकेंगे। इसके लिए बोर्ड की ओर से आर्थिक और तकनीकी सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैद्यों के समूहों को जड़ी-बूटियों की बेहतर प्रसंस्करण के लिए निःशुल्क पिसाई मशीन (पल्वराइजर) उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वैद्यों के निवास वाले गांवों के स्कूलों में स्कूल हर्बल गार्डन विकसित करने के लिए भी बोर्ड तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। साथ ही प्रदेश के वैद्यों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। वैद्यों द्वारा तैयार औषधीय उत्पादों और पारंपरिक उपचार से जुड़े उत्पादों के पेटेंट में भी बोर्ड सहयोग करेगा।

वनौषधियों के संरक्षण पर विशेष जोर: दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल अधिकारी श्री चूड़ामणि सिंह ने वैद्यों की सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने वनौषधियों के उपयोग की मात्रा और उपचार संबंधी जानकारी को व्यवस्थित करने, विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ वैद्यों की सूची तैयार करने तथा उनके अनुभवों को साझा करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कम हो रही वनौषधियों की जानकारी वैद्यों से उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक योजना बनाई जा सके। उन्होंने वैद्यों के साथ हर महीने बैठक आयोजित करने और वनौषधियों से संबंधित उपयोगी जानकारी का प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार करने की बात कही।

पारंपरिक ज्ञान को आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार का प्रयास: बोर्ड अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने कहा कि सरकार वैद्यों और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों के संरक्षण के लिए गंभीरता से काम कर रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में वैद्य सम्मेलन आयोजित कर वैद्यों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा